दैनिक राष्ट्रीय गरिमा

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com

राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

■ भोपाल, सोमवार 26 अक्टूबर 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 31, अंक : 130 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में अपने स्वागत के लिए इकट्ठा हुए समर्थकों का अभिवादन किया।

सुविचार

सफलता के रास्ते में बहुत सी कठिनाइयाँ आएंगी, लेकिन यदि आप निरंतर मेहनत करते हैं तो सफलता निश्चित रूप से मिलेगी।

ग्रेटर नोएडा में 12वीं मंजिल से गिरकर 13 वर्षीय बच्चे की हुई मौत

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर थाना क्षेत्र स्थित डिजाइन आर्च सोसायटी में एक दर्दनाक घटना सामने आई। यहां 13 वर्षीय बच्चे की संदिग्ध परिस्थितियों में 12वीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बच्चा किन परिस्थितियों में गिरा। बच्चे की पहचान 13 वर्षीय रणविजय ढाका के रूप में हुई है। वह डिजाइन आर्च सोसायटी में रहता था। पुलिस के अनुसार,24 अक्टूबर को थाना सूरजपुर में सूचना प्राप्त हुई कि रणविजय सोसायटी की बिल्डिंग से गिर गया है। घटना के तुरंत बाद परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इस मामले में सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। बताया जा रहा है कि फुटेज में बच्चा 12वीं मंजिल पर जाता हुआ दिखाई दे रहा है। हालांकि,वह किन परिस्थितियों में नीचे गिरा,यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस फुटेज और घटनास्थल से जुड़े अन्य तथ्यों के आधार पर मामले की पड़ताल कर रही है। जांच के दौरान यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि घटना दुर्घटनावश हुई या इसके पीछे कोई अन्य कारण था। फिलहाल पुलिस ने किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी संभावित पहलुओं की जांच शुरू कर दी है। बच्चे के नीचे गिरने से पहले की परिस्थितियों और घटनाक्रम को समझने के लिए उपलब्ध साक्ष्यों की पड़ताल की जा रही है।

दिल्ली के रानी गार्डन में लगी भीषण आग,कई झुग्गियां जलकर खाक

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के गीता कॉलोनी थाना क्षेत्र स्थित रानी गार्डन झुग्गी बस्ती में रविवार तड़के भीषण अग्निकांड हो गया। सुबह करीब 3 बजे लगी इस आग में कम से कम 8 से 10 झुग्गियां पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने या घायल होने की कोई खबर नहीं है। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 6 गाड़ियां और स्थानीय पुलिस टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। आग कई झुग्गियों में तेजी से फैल चुकी थी, जिस पर काबू पाने के लिए दमकल कर्मियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। करीब तीन घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। फायर ऑफिसर ने बताया कि उन्हें सुबह 3.06 बजे आग लगने की सूचना मिली थी और तुरंत कार्रवाई की गई। इस अग्निकांड में कई परिवार रातों-रात बेघर हो गए और उनका लाखों का घरेलू सामान जलकर खाक हो गया। आग में अपनी झुग्गी गंवाने वाले एक पीड़ित ने बताया,हम सो रहे थे तभी पास के एक व्यक्ति ने चिल्लाकर बताया कि भीषण आग लग गई है। आग इतनी तेज थी कि हम बड़ी मुश्किल से अपनी जान बचाकर निकल पाए। एक अन्य पीड़ित ने बताया कि घर का सारा सामान नष्ट हो गया है, जिससे उनका बहुत बड़ा नुकसान हुआ है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

राष्ट्र प्रथम की भावना से नए भारत में लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हुई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी प्रदर्शनों के बीच,रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर संकीर्ण मानसिकता वाली राजनीतिक ताकतों पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि ये ताकतें सत्ता के स्वार्थ में देश को अस्थिरता, अराजकता और अलगाववाद की भट्टी में धकेलने का षड्यंत्र रच रही हैं,और वैश्विक मंचों पर भारत की छवि धूमिल करने का प्रयास कर रही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने वैश्विक पटल पर एक नई आर्थिक शक्ति के रूप में पहचान बनाई है। आज भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अग्रणी है, जो आत्मनिर्भरता,नवाचार और विकास के नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने जोर दिया कि राष्ट्र प्रथम की भावना से नए भारत में लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हुई हैं, जहां गरीब कल्याण और जनभागीदारी विकास की मुख्य धारा है। सीएम योगी ने बताया कि चुनौतियों के बावजूद भारत अपने विकास के लक्ष्य के प्रति अडिग है। इस राष्ट्रीय यात्रा में उत्तर प्रदेश भी अपनी विशाल कृषि क्षमता,विस्तृत औद्योगिक आधार और युवा शक्ति के बल पर कृषि से विनिर्माण तक हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है, और विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने राष्ट्रहित सर्वोपरि,राष्ट्रीय एकता अक्षुण्ण और विकास की गति अविराम के अपने संकल्प को दोहराया।

पीएम मोदी ने गिनाई मद्रास आईआईटी ब्रेन रिसर्च की उपलब्धि

युवा देश की महान विभूतियों के बारे में पढ़े और उनसे प्रेरणा लें : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम के 139वें एपिसोड में देशवासियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विज्ञान,अनुसंधान और मानवता से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर बात की। पीएम मोदी ने बताया,अक्टूबर की शुरुआत में मैं चेन्नई गया था। वहां मेरी मुलाकात देश के कई वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और युवा प्रतिभाओं से हुई। यह देखकर गर्व होता है कि हमारे युवा आज ऐसे विषयों पर काम कर रहे हैं जो पूरी मानवता के भविष्य को बदलने की क्षमता रखते हैं। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को प्रसारित 'मन की बात' में देशवासियों से त्योहारों के दौरान स्थानीय कारीगरों के बनाए उत्पादों को प्राथमिकता देने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारत के स्थानीय उत्पादों की मांग अब दुनिया के विभिन्न देशों में बढ़ रही है। बिहार के पूर्णिया का मखाना ग्रीस पहुंच रहा है, जबकि कर्नाटक के कलबुर्गी की अरहर दाल मालदीव तक पहुंच रही है। इससे भारतीय किसानों और स्थानीय उत्पादकों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में नए अवसर खुल रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम की शुरुआत 12 साल पहले विजयादशमी के पावन अवसर पर हुई थी। उनके लिए यह यात्रा देशवासियों को करीब से जानने और समझने की तीर्थयात्रा के समान है।

लोगों के प्रयासों से हेवल नदी को नया जीवनदान मिला है



नई दिल्ली। इस अवसर पर उन्होंने बाजरे से कुकीज, केक,मफिन और शिशुओं के लिए खाद्य उत्पाद तैयार किए। इससे बाजरे से बने उत्पादों की बिक्री और मांग बढ़ने लगी। वहीं, उत्तराखंड में हेवल नदी को सामुदायिक प्रयास से पुनर्जीवित करने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने बताया कि टिहरी गढ़वाल में लोग ने स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर अभियान चलाया। बारिश का पानी रोकने के उपाय हुए, जमीन में पानी पहुंचाने के लिए काम हुआ और बड़ी संख्या में पौधे लगाए गए। उनके प्रयासों से हेवल नदी को नया जीवनदान मिला और दर्जनों प्राकृतिक जल-स्रोतों के पुनर्जीवन में भी मदद मिली। उन्होंने बताया कि आईआईटी मद्रास मानव मस्तिष्क को बेहतर ढंग से समझने के लिए अनुसंधान को आगे बढ़ा रहा है। यहां 'सुधा गोपालकृष्णन ब्रेन सेंटर' का लोकार्पण किया गया था। केंद्र ने मस्तिष्क की उच्च-रिजॉल्यूशन वाली डिजिटल त्रिआयामी तस्वीरें तैयार करने वाला मंच विकसित किया है। इसका लक्ष्य 100 मानव मस्तिष्कों की त्रिआयामी मैपिंग कर उनका विस्तृत अध्ययन करना है। प्रधानमंत्री ने बताया कि ई-संजीवनी से दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा पहुंच रही है। उन्होंने इसके उदाहरण दिए। उन्होंने बताया कि अंडमान-निकोबार के बाराटांग द्वीप में जारवा जनजाति के सात वर्षीय ओहो-ताहाने को तेज बुखार और सांस लेने में परेशानी हुई। स्थानीय स्वास्थ्यकर्मियों ने ई-संजीवनी के जरिए विशेषज्ञ चिकित्सक से संपर्क किया। बच्चे को निमोनिया था। विशेषज्ञ चिकित्सक की निगरानी में आने के बाद उसकी स्थिति में तेजी से सुधार हुआ। इसी तरह, लक्षद्वीप के कल्पेनी में करीब 60 वर्षीय कुन्ही कोया की तबीयत अचानक बिगड़ गई। ई-संजीवनी के जरिए कवरत्ती में मौजूद अनुभवी चिकित्सक से संपर्क किया गया। उन्होंने स्थानीय चिकित्सा दल का मार्गदर्शन किया, जिससे कुन्ही कोया को राहत मिली।'वोकल फॉर लोकल' की एक बार फिर अपील करते हुए 'मन की बात' में प्रधानमंत्री ने कहा कि स्थानीय उत्पादों को अपनाकर इस अभियान को मजबूत किया जा सकता है।

भाजपा की असली ताकत है हमारे बूथ स्तर के कार्यकर्ता : नितिन नवीन



भाजपा अध्यक्ष ने रांची में कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों के साथ सुनी 'मन की बात'

रांची,(एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को कहा कि बूथ स्तर के कार्यकर्ता ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत और संगठन के वास्तविक मालिक हैं। समर्पित कार्यकर्ता ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विचारों, संदेशों और जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाते हैं। भाजपा की वास्तविक शक्ति उसके कार्यकर्ताओं के समर्पण और परिश्रम में निहित है। नितिन नवीन कांके विधानसभा क्षेत्र के सुकुरहुटू स्थित बिरसा मंडप अखाड़ा परिसर में बूथ संख्या-249 पर भाजपा कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 139वें संस्करण का सामूहिक श्रवण करने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए ये बातें कही। इस अवसर पर उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत रुद्राक्ष का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के बाद उन्होंने वहां मौजूद महिलाओं,कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों से संवाद भी किया। कार्यक्रम के दौरान नितिन नवीन ने संगठन में बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के महत्व को रेखांकित करते हुए एक विशेष पहल की। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर पीछे खड़े बूथ अध्यक्ष आकाश कुमार और मंडल अध्यक्ष प्रभात कुमार को अपने पास बुलाया और दोनों को अपने बगल में खड़ा किया। इस दौरान उन्होंने बूथ अध्यक्ष को अपना मालिक बताते हुए कार्यकर्ताओं के प्रति सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ता ही संगठन की नींव हैं। उनके परिश्रम और समर्पण से पार्टी की नीतियां और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं आम लोगों तक पहुंचती हैं। नितिन नवीन ने कहा कि वह रांची में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। इसी क्रम में उन्हें कांके विधानसभा क्षेत्र में आम लोगों और कार्यकर्ताओं के साथ 'मन की बात' सुनने का अवसर मिला। उन्होंने उपस्थित लोगों का अभिनंदन करते हुए सभी के प्रति आभार जताया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी लखपति दीदी योजना का उल्लेख करते हुए महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मिशन मोड में काम कर रहे हैं। तीन करोड़ लखपति दीदियां बनाने का लक्ष्य हासिल किया जा चुका है और अब इस अभियान को आगे बढ़ाते हुए अधिक से अधिक महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाना है। नितिन नवीन ने कहा कि जब माताएं और बहनें आर्थिक रूप से मजबूत होती हैं, तो उसका लाभ केवल एक परिवार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि दो-दो परिवारों को संबल मिलता है। महिलाएं दो परिवारों को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ऐसे में उनका आर्थिक सशक्तीकरण विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं से आह्वान किया कि प्रधानमंत्री के प्रेरणादायक संदेशों को केवल सुनने तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें अपने परिवार, गांव और समाज के अन्य लोगों तक भी पहुंचाएं।

जिस-जिस को लोकतंत्र की फिक्र है,वो रैली में जरूर आए : राहुल गांधी



एक नवंबर की दिल्ली रैली के लिए राहुल गांधी ने किया लोगों से आह्वान

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली 'वोट बचाओ-देश बचाओ' जन मार्च और महारैली से पहले भारतीय जनता पार्टी पर तंज कसा है। रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर उन्होंने भाजपा और उसके सहयोगियों को रैली का प्रचार करने के लिए धन्यवाद दिया। राहुल ने छात्रों, किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और व्यापारियों से लोकतंत्र की रक्षा के लिए दिल्ली पहुंचने की अपील की। राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में आरोप लगाया कि देश में मतदाताओं के वोट छीने जा रहे हैं और मतदाता सूचियों से लोगों के नाम हटाए गए हैं। उन्होंने कहा कि नियम-कानून तोड़े गए और सवाल उठाने वालों पर लाठियां चलाई गईं। राहुल ने दावा किया कि इन मुद्दों पर जनता चुप नहीं बैठेगी और एक नवंबर को रैली के जरिए जवाब देगी। उन्होंने लिखा कि वोट बचाने और लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई में सभी को भागीदारी करनी चाहिए। राहुल ने कहा कि वोट नागरिकों का अधिकार है और इसकी रक्षा करना सभी की जिम्मेदारी है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने छात्रों, युवाओं और किसान-मजदूरों से एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित कांग्रेस की रैली में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि हमारा वोट चुराया जा रहा है और ये हम किसी हाल में चुपचाप नहीं सहेंगे। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया,हमारा वोट चुराया जा रहा है और ये हम किसी हाल में चुपचाप नहीं सहेंगे। मतदाता सूचियों से नाम काटे गए। नियम-कानून तोड़े गए। और सवाल पूछने वालों पर लाठियां चलीं। अब जवाब देश देगा। 1 नवंबर के कार्यक्रम की घोषणा करते हुए राहुल गांधी ने समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों से राष्ट्रीय राजधानी में इकट्ठा होने की अपील की। उन्होंने पोस्ट में लिखा,1 नवंबर-चलो दिल्ली। वोट बचाओ-देश बचाओ जन मार्च और महारैली। छात्र, किसान, मजदूर, महिलाएं, नौजवान और व्यापारी, जिस-जिस को लोकतंत्र की फिक्र है, वो जरूर आए। वोट आपका है। लड़ाई भी आपकी है। साथ ही, राहुल गांधी ने भाजपा और उसके सहयोगियों की आलोचना की। उन्होंने तंज कसते हुए एक्स पोस्ट में कहा,भाजपा और उसके साथियों का दिल से धन्यवाद,जो इस कार्यक्रम का इतना जोर-शोर से प्रचार कर रहे हैं और इसे अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचा रहे हैं। बस अगले 7 दिन भी यही जोश और लगन बनाए रखिए। कांग्रेस सांसद ने दिल्ली रैली को लेकर यह आह्वान ऐसे समय किया है, जब व्यापारी वर्ग और 1984 के सिख-विरोधी दंगों के पीड़ित इसका विरोध कर रहे हैं।

भारतीय वायुसेना की पहुंच से अब कोई भी लक्ष्य दूर नहीं : एपी सिंह

एयर चीफ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर पर कहा- स्वदेशी हथियारों ने दिखाया दम



नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा है कि भारतीय वायुसेना की पहुंच से कोई भी लक्ष्य बाहर नहीं है। पश्चिमी मोर्चे पर 1,200 किलोमीटर की चौड़ाई और 200 किलोमीटर की गहराई तक किए गए सटीक हमलों ने वायुसेना की क्षमता साबित की है। एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा कि यह अभियान वायुसेना की क्षमता-केंद्रित रणनीति की प्रभावशीलता का प्रमाण है। एयर चीफ मार्शल सिंह के मुताबिक,ऑपरेशन सिंदूर ने देश की सुरक्षा में वायु शक्ति की निर्णायक भूमिका को फिर से स्थापित किया। वायुसेना न केवल जरूरत पड़ने पर जवाबी कार्रवाई का प्रमुख माध्यम है,बल्कि उसकी क्षमता संभावित विरोधियों को आक्रामक कदम उठाने से रोकने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उनके इस बयान को पाकिस्तान के संदर्भ में भारत की सैन्य क्षमताओं के संदेश के तौर पर देखा जा रहा है। वायुसेना प्रमुख ने अभियान के दौरान स्वदेशी हथियारों के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि कई स्वदेशी हथियारों ने असाधारण प्रदर्शन किया और दुश्मन को भारी नुकसान पहुंचाया। उनके अनुसार,सैन्य बल को किसी एक हथियार या कार्रवाई के तरीके पर निर्भर रहने के बजाय विभिन्न विकल्पों से लैस होना चाहिए। उन्होंने कहा कि क्षमता-केंद्रित सैन्य बल के पास परिस्थितियों के अनुसार कार्रवाई करने के कई विकल्प होते हैं। इसी लचीलेपन ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जवाबी कार्रवाई को जरूरत के मुताबिक तय करने और तनाव को बढ़ने से रोकने में मदद की। उनके मुताबिक,सैन्य क्षमता का उद्देश्य केवल हमला करना नहीं,बल्कि हालात पर नियंत्रण बनाए रखते हुए निर्धारित लक्ष्य हासिल करना भी है। ऑपरेशन सिंदूर मई 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में शुरू किया गया था। इसके तहत भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्रों में स्थित आतंकी ढांचे को निशाना बनाते हुए सटीक हमले किए थे। अभियान के दौरान भारतीय वायुसेना की भूमिका महत्वपूर्ण रही। इस कार्रवाई के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव बढ़ा था। अभियान के दौरान और उसके बाद दोनों देशों की ओर से कई दावे भी किए गए थे।

यात्रियों की सुरक्षा को सऊदी अरब के लिए एअर इंडिया की सभी उड़ानें रद्द

एयर इंडिया एक्सप्रेस की रियाद,दम्माम जाने वाली उड़ानें 7 नवंबर तक रद्द रहेंगी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। सऊदी अरब में हूती विद्रोहियों के हमलों के बीच भारतीय एयरलाइंस ने यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अपनी उड़ानें रद्द कर दी हैं। एअर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, इंडिगो और अकासा एयर ने सऊदी अरब के विभिन्न शहरों के लिए उड़ानों पर अस्थायी रोक लगाई है। एयरलाइंस ने प्रभावित यात्रियों के लिए रिफंड और टिकट दोबारा बुक कराने की सुविधाएं भी घोषित की हैं। एअर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस की रियाद तथा दम्माम जाने वाली उड़ानें 7 नवंबर तक रद्द रहेंगी,जबकि जेद्दा के लिए उड़ानों पर 31 अक्टूबर 2026 तक रोक रहेगी। इंडिगो ने रियाद, जेद्दा, दम्माम और मदीना के लिए अपनी उड़ानें 31 अक्टूबर तक रद्द की हैं।



वहीं, अकासा एयर ने जेद्दा के लिए 10 नवंबर और रियाद के लिए 30 नवंबर 2026 तक उड़ानें रद्द करने का फैसला किया है। सऊदी अरब में हूती विद्रोहियों की ओर से मिसाइल और ड्रोन हमलों के दावों के बीच क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। हवाई अड्डों और अन्य ठिकानों को निशाना बनाए जाने की खबरों के बाद एयरलाइंस ने परिचालन की स्थिति और यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उड़ानें रद्द की हैं। इस फैसले से सऊदी अरब आने-जाने की योजना बना रहे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। प्रभावित यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे हवाई अड्डे के लिए रवाना होने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की पुष्टि संबंधित एयरलाइन से कर लें। एअर इंडिया ने प्रभावित यात्रियों को टिकट दोबारा बुक कराने की सुविधा दी है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, रियाद और दम्माम की यात्रा के लिए पात्र यात्री एक बार बिना अतिरिक्त री-बुकिंग शुल्क के टिकट बदलवा सकेंगे। यात्री 21 नवंबर 2026 तक की यात्रा के लिए दोबारा बुकिंग करा सकते हैं। जेद्दा जाने वाले यात्रियों को भी एक बार मुफ्त री-बुकिंग की सुविधा दी गई है। इसके तहत पात्र यात्री 31 अक्टूबर तक की यात्रा के लिए टिकट बदलवा सकते हैं और 14 नवंबर तक यात्रा कर सकते हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस भी पात्र यात्रियों को एक बार मुफ्त री-बुकिंग की सुविधा उपलब्ध करा रही है। यह सुविधा सऊदी अरब, बहरीन और भारत के बीच संबंधित परिचालन केंद्रों से बुक की गई पात्र उड़ानों पर लागू होगी। टिकट में बदलाव से पहले एयरलाइन से नियमों और उपलब्ध विकल्पों की पुष्टि करना जरूरी है। एयरलाइंस ने यात्रियों की सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। रद्द उड़ानों, रिफंड और टिकट दोबारा बुक कराने से संबंधित जानकारी के लिए इन नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे टिकट रद्द कराने या दोबारा बुकिंग करने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति और संबंधित एयरलाइन की शर्तों की जानकारी अवश्य लें।

मुख्यमंत्री की घोषणा -शहडोल में इंडोर स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स बनाया जायेगा:

हाथियों के उत्पात से क्षतिग्रस्त मकान की जगह पक्के मकान बनाकर देंगे : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शहडोल जिले को दी 462 करोड़ रुपए के 134 विकास कार्यों की सौगात



शहडोल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि तेंदूपत्ता संग्रहण लाखों वनवासी परिवारों की आजीविका का माध्यम है। राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि मेहनतकश परिवारों को उन हक का पूरा लाभ समय पर मिले। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने रविवार को शहडोल संभागीय मुख्यालय में हुए एक भव्य कार्यक्रम में तेंदूपत्ता संग्रहण वर्ष 2024 के 9 लाख 77 हजार 696 पात्र संग्राहकों को 22 करोड़ 89 लाख रुपये से अधिक की प्रोत्साहन पारिश्रमिक राशि (तेंदूपत्ता बोनस) का वितरण किया। कार्यक्रम में पांच जिलों (शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, सतना एवं सीधी) के अधीन छह जिला वनोपज सहकारी यूनियनों के हजारों तेंदूपत्ता एवं अन्य वनोपज संग्राहकों ने सहभागिता की। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने घोषणा की कि शहडोल में इंडोर स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स बनाया जायेगा, हाथियों के उत्पात से क्षतिग्रस्त मकान की जगह लोगों को पक्के मकान बनाकर दिए जाएंगे, जयसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र में गोहपारू से रीवा-सतना मार्ग तक सड़क बनाई जायेगी और शहडोल में निजी सहभागिता से एक नई यूनिवर्सिटी खोली जाएगी मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि बोनस और लाभांश की यह राशि ग्रामीण एवं वन क्षेत्रों के परिवारों की आर्थिक मजबूती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। हमारी सरकार वनवासियों के सम्मान, इनकी आत्मनिर्भरता और समग्र कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने 462 करोड़ रुपए लागत के 134 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया। मुख्यमंत्री ने शहडोल में 22.14 करोड़ रुपए से नवनिर्मित वन मंडलाधिकारी कार्यालय का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां विभिन्न शासकीय योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए। मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि शहडोल में अत्याधुनिक सुविधायुक्त एक इंडोर स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स बनाया जायेगा। जयसिंहनगर विस क्षेत्र के गोहपारू में शहडोल-रीवा मुख्य मार्ग से महाविद्यालय एवं औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र तक स?क निर्माण कराया जायेगा। मुख्यमंत्री ने शहडोल में गीता भवन का निर्माण करने तथा निजी निवेश एवं सहभागिता से यहां एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी खोले जाने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने शहडोल में नये महाविद्यालय की मांग के संबंध में कहा कि यहां के शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के कालेज को अब कामन कर दिया जायेगा। कालेज में विद्यार्थियों को सह शिक्षा दी जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उमरिया जिले में जीर्ण-शीर्ण हो चुके एक आवागमन मार्ग पर एमपीआरडीसी द्वारा एक नई सड़क बनाई जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घोषणा की कि मानव बस्तियों में प्रवेश कर जिन लोगों के मकान जंगली हाथियों ने तोड़ दिये हैं, उन सभी को वन विभाग द्वारा पक्के मकान बनाकर दिये जायेंगे। वन विभाग इन प्रभावितों के नये घरों में फेंसिंग भी करायेगा। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने बताया कि शहडोल में जल्द ही लौह अयस्क संयंत्र (स्टील फैक्ट्री) खुलने वाली है। इससे 4000 से अधिक लोगों को रोज़गार मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार भविष्य में शहडोल में फारेस्ट ज़ू एंड रेस्क्यू सेंटर भी बनायेगी।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, सोमवार 26 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

आस्था के साथ स्वच्छता का संकल्प, शिवना से निकाला एक ट्रॉली कचरा



विधायक विपिन जैन ने नागरिकों से निर्धारित कलश में ही पूजन सामग्री डालने की अपील की

मंदसौर। शिवना नदी की स्वच्छता और निर्मलता बनाए रखने के उद्देश्य से रविवार को शिवना शुद्धिकरण अभियान के 147वें दिन श्रमदान किया गया। विधायक विपिन जैन सहित समाजसेवियों, महिला नेत्रियों और कांग्रेसजनों ने नदी के घाटों, किनारों और जल क्षेत्र में सफाई कर प्लास्टिक कचरे, गंदगी तथा अन्य अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकाला। श्रमदान के दौरान करीब एक ट्रॉली कचरा एकत्रित किया गया। अभियान में शामिल शिवना योद्धाओं ने नदी को स्वच्छ बनाए रखने का संकल्प भी लिया। इस अवसर पर विधायक विपिन जैन ने कहा कि शिवना नदी मंदसौर की आस्था और पहचान से जुड़ी है। इसकी स्वच्छता बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। नदी में पूजन सामग्री और अन्य कचरा डालने से जल प्रदूषित होता है तथा नदी की सुंदरता और पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि पूजन सामग्री नदी में प्रवाहित करने के बजाय नदी किनारे निर्धारित स्थान पर रखे गए कलश में ही डालें। इससे धार्मिक आस्था भी बनी रहेगी और शिवना नदी को स्वच्छ एवं निर्मल रखने में भी मदद मिलेगी। जैन ने नगरवासियों से प्रत्येक रविवार सुबह 7 से 9 बजे तक चलने वाले श्रमदान अभियान में सहभागी बनने का आग्रह किया। रविवार को आयोजित श्रमदान में विधायक विपिन जैन के साथ समाजसेवी हेमराज खाबिया, भंवरलाल प्रजापत, रमेश सोनी, राकेश जैन पिंटू, पंकज जैन, बालकृष्ण दवे, शांतिलाल मेमावत टोलखेड़ी और डॉ. संभव जैन ने सहभागिता की। महिला नेत्रियों में इष्टा भाचावत, राखी सत्रावाला, अनीता भदौरिया और कौशल्या त्रिवेदी शामिल रहीं। कांग्रेसजनों में राजनारायण लाड़, विकास दशोरा, संजय नाहर, खलील पठान, विश्वास दुबे, अजय दुबे, अजय सोनी, महेश गुप्ता, साबिर इलेक्ट्रीशियन, कैलाश कुमावत (अमलावद), गणपत कुमावत, विजय सिंह सिसोदिया, सादिक गोरी, राकेश सेन, आमीन खान, मंगल गवली, संजय बारोट, अंसार मेव, राजेश चौधरी, ऋषिराज लाड़ और कनिष्क सोनी सहित अन्य लोगों ने श्रमदान किया।

अवैध शराब के खिलाफ आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई 19 प्रकरण दर्ज

70 पाव देशी शराब, 21.5 लीटर महुआ शराब और 1070 किलोग्राम महुआ लाहन जब्त

हरदा। जिले में अवैध शराब के संग्रहण, निर्माण और बिक्री के विरुद्ध आबकारी विभाग ने सघन कार्रवाई करते हुए तीन दिनों में 19 प्रकरण दर्ज किए हैं। 22 से 24 अक्टूबर तक की गई इस कार्रवाई में 70 पाव देशी मदिरा, 21.5 लीटर महुआ शराब और 1070 किलोग्राम महुआ लाहन जब्त किया गया। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत 1 लाख 16 हजार 620 रुपये बताई गई है। कलेक्टर श्री कुमार सत्यम के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी श्री सुनील भोजने के मार्गदर्शन में की गई इस कार्रवाई के दौरान आबकारी टीमों ने हरदा शहर के खेड़ीपुरा, बंगाली कॉलोनी, पीलियाखाल, टंकी मोहल्ला और इमलीपुरा सहित विभिन्न स्थानों पर दबिश दी। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों के ग्राम दोगलीघाट, मालपौन तथा खिरकिया वृत्त के भीमपुरा, सुंदरपानी, हिवाला, जूनापानी और नयापुरा में भी कार्रवाई की गई। सहायक जिला आबकारी अधिकारी ए.एस. बघेल एवं डी.एस. चौहान के नेतृत्व में की गई कार्रवाई में अवैध शराब के साथ शराब निर्माण में उपयोग होने वाला महुआ लाहन भी जब्त किया गया। प्रकरणों में संबंधित आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)(क) एवं 34(1)(च) के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी अमर सिंह बघेल, आबकारी उपनिरीक्षक दीपिका वाईकर सहित आबकारी विभाग के आरक्षकों एवं नगर सैनिकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिला आबकारी अधिकारी श्री सुनील भोजने ने कहा कि जिले में अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण और बिक्री में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि अवैध शराब से संबंधित जानकारी आबकारी विभाग को दें, ताकि इस गतिविधि पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

ग्राम बुधवाड़ा में बेलर मशीन से किया गया नरवाई प्रबंधन, किसानों को किया जागरूक

नर्मदापुरम। कलेक्टर के निर्देश पर नरवाई का उचित प्रबंधन, मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण को लेकर किसानों को जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में तहसील माखननगर के ग्राम बुधवाड़ा में प्रगतिशील किसान सीताराम मीना के खेत में बेलर मशीन से नरवाई प्रबंधन किया गया। वासुदेव ग्रीन एनर्जी लिमिटेड द्वारा बेलर मशीन से लगभग 25 एकड़ धान के फसल अवशेष का प्रबंधन कर बेल बनाकर संरक्षण किया जा रहा है। नरवाई प्रबंधन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) ने खेत का निरीक्षण कर बेलर मशीन से प्रबंधन प्रक्रिया का अवलोकन किया। इस दौरान किसानों को नरवाई में आग न लगाने और बेलर मशीन सहित अन्य कृषि यंत्रों से फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करने के लिए प्रेरित किया गया। किसानों को बताया गया कि नरवाई जलाने से मिट्टी की उर्वरता और लाभकारी सूक्ष्म जीवों को नुकसान पहुंचता है, साथ ही पर्यावरण प्रदूषण और आगजनी का खतरा बढ़ता है। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे नरवाई न जलाएं, कस्टम हायरिंग सेंटर की सेवाओं का लाभ लें और अन्य किसानों को भी प्रेरित करें।

रागिनी दांगी की रचनात्मक पहल को मिली सराहना, प्रदेश में जिले को सातवां स्थान

विदिशा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश द्वारा भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय साथिया समागम में विदिशा जिले की साथिया रागिनी दांगी ने अपनी रचनात्मक पहल से सभी का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन संचालक डॉ. सलोनी सिडाना को किशोर स्वास्थ्य की प्राथमिकताओं पर आधारित हस्तनिर्मित कलाकृति भेंट की। उनकी इस अभिनव पहल की मिशन संचालक डॉ. सलोनी सिडाना एवं संयुक्त संचालक डॉ. शरद तिवारी ने सराहना की। समागम के दौरान विदिशा जिले की टीम ने साथिया कॉर्नर प्रदर्शनी में प्रभावी प्रदर्शन करते हुए किशोर स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। इस प्रदर्शन के परिणामस्वरूप विदिशा जिले को प्रदेश के 22 जिलों में सातवां स्थान प्राप्त हुआ। उल्लेखनीय है कि जिले में साथिया कार्यक्रम की शुरुआत पिछले वर्ष ही हुई थी। कम समय में हासिल यह उपलब्धि कार्यक्रम से जुड़े प्रतिभागियों और सहयोगी संस्थाओं के प्रयासों को दर्शाती है।

देवास में जहरीली शराब से 22 मौतों की जानकारी, जिम्मेदारों पर कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने की मांग-कांग्रेस

देवास। मुरैना, उज्जैन और सागर के बाद अब देवास में भी जहरीली शराब से मौतों का मामला सामने आया है। आखिर कब तक जहरीली शराब से लोगों की जान पर बनती रहेगी और जिम्मेदार महकमा आंखें मूंदे बैठा रहेगा? जहरीली शराब के कारण परिवार उजड़ रहे हैं, लेकिन सरकार और प्रशासन की जवाबदेही को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। आज मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी एवं पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री अरुण यादव ने देवास जिले के ग्राम चंदाना पहुंचकर जहरीली शराब की घटना में अपनों को खो चुके परिवारों से मुलाकात की और उनके दुख-दर्द को करीब से जाना। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष श्री मनोज राजानी, ग्रामीण जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री मनीष चौधरी, शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री प्रयास गौतम सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित रहे। श्री जीतू पटवारी ने कहा कि देवास जिले में जहरीली शराब से अब तक 22 लोगों की मौत होने की जानकारी सामने आई है। यह बेहद गंभीर मामला है। सरकार और जिला प्रशासन को मौतों की वास्तविक संख्या सार्वजनिक करनी चाहिए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुरैना, उज्जैन, सागर और अब देवास में जहरीली शराब से जुड़े मामलों ने प्रदेश की आबकारी व्यवस्था और कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। आखिर अवैध शराब का कारोबार लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ कैसे करता रहा? जिम्मेदार विभागों ने समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं की? सरकार को इन सवालों का जवाब देना होगा। श्री पटवारी ने कहा कि पीड़ित परिवारों की आंखों में आंसू हैं और उनके मन में एक ही सवाल है कि जब जहरीली शराब की शिकायतें पहले से थीं, तो समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं हुई? पानी को कारण बताकर या दूसरे बहाने बनाकर असली सवालों से ध्यान नहीं भटकाया जा सकता। जांच में यह स्पष्ट होना चाहिए कि जहरीली शराब कहां से आई, इसके पीछे कौन लोग हैं और इस मामले में किस स्तर पर लापरवाही हुई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव की सरकार इस त्रासदी से अपनी जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ सकती। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उन्हें न्याय और उचित आर्थिक सहायता मिलनी चाहिए। जहरीली शराब के पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश हो, दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। श्री पटवारी ने कहा कि कांग्रेस पीड़ित परिवारों की आवाज को दबने नहीं देगी। यह केवल कुछ परिवारों का दुख नहीं, बल्कि नागरिकों की सुरक्षा और सरकार की जवाबदेही का सवाल है। जहरीली शराब से हुई मौतों का सच सामने लाना, दोषियों को सजा दिलाना और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाना जरूरी है। कांग्रेस की यह लड़ाई सड़क से सदन तक जारी रहेगी।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बैतूल में जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद कार्यक्रम आयोजित

पुलिस अधीक्षक श्री जैन की अध्यक्षता में 300 से अधिक छात्र-छात्राओं ने लिया प्रशिक्षण



बैतूल। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, ज. ह. शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैतूल एवं मध्य प्रदेश पुलिस जिला बैतूल के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को 'जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक श्री वीरेंद्र जैन ने की। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमलेश खरपुसे, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मीनाक्षी चौबे तथा डीएसपी श्री कैलाश बारिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आपराधिक न्याय व्यवस्था, संवैधानिक अधिकारों, नागरिक कर्तव्यों, साइबर सुरक्षा, महिला एवं बाल संरक्षण, सड़क सुरक्षा, नशा मुक्ति, आपदा प्रबंधन तथा मानसिक स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के अंतर्गत 300 से अधिक छात्र-छात्राओं ने सहभागिता कर विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. मीनाक्षी चौबे के स्वागत भाषण से हुआ। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमलेश खरपुसे ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए इसकेउद्देश्यों एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला। पुलिस अधीक्षक श्री वीरेंद्र जैन ने विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के अपराधों, उनमें आम नागरिकों के अनजाने में फंसने की परिस्थितियों तथा पुलिस की कार्यप्रणाली के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को कानून के प्रति जागरूक रहने और सतर्क नागरिक बनने का संदेश दिया। उप निरीक्षक श्रीमती रश्मि ठाकुर ने आपराधिक न्याय व्यवस्था की प्रक्रिया तथा उसके विभिन्न चरणों की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. शंकर सातनकर ने संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों, मानवाधिकारों, राज्य के नीति-निर्देशक तत्वों तथा मौलिक कर्तव्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उप निरीक्षक श्री नवीन सोनकर ने साइबर सुरक्षा, डिजिटल जागरूकता और इंटरनेट के जिम्मेदार उपयोग के संबंध में विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। प्रो. गोलू परते ने फर्स्ट रिस्पॉन्डर के रूप में पुलिस की भूमिका, आपातकालीन सेवाओं, संबंधित संस्थाओं तथा आपदा प्रबंधन के विषय में प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में आपराधिक न्याय व्यवस्था, समावेशी समाज, महिला एवं बाल संरक्षण, सड़क सुरक्षा, नशा मुक्ति, हिंसा निवारण तथा मानसिक स्वास्थ्य जैसे विषयों पर भी चर्चा की गई। प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को सुरक्षित समाज के निर्माण में अपनी भूमिका समझने तथा सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया गया।कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना, राष्ट्रीय कैडेट कोर, कला संकाय, विज्ञान संकाय एवं वाणिज्य विभाग से 50-50 छात्र-छात्राओं का पूर्व पंजीयन किया गया था। कार्यक्रम के पश्चात विद्यार्थियों के लिए पुलिस थाने एवं पुलिस कंट्रोल रूम के भ्रमण का भी प्रावधान रखा गया, जिससे उन्हें पुलिस की कार्यप्रणाली और आपातकालीन व्यवस्थाओं को निकट से समझने का अवसर मिल सके।

अफजलपुर में टीयूवी से ले जा रहे थे 40 पेटी शराब, पुलिस ने पकड़ी; एक आरोपी फरार

मंदसौर। जिले में अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अफजलपुर थाना पुलिस ने एक महिंद्रा टीयूवी वाहन से 40 पेटी देशी शराब जब्त की है। जब्त शराब की मात्रा 360 लीटर बताई गई है। पुलिस ने वाहन सहित शराब की कुल कीमत करीब 7 लाख रुपए आंकी है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि दूसरा आरोपी फरार है। पुलिस के अनुसार, पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टी.एस. बघेल और मंदसौर ग्रामीण एसडीओपी गिरीश जेजूरकर के मार्गदर्शन में अफजलपुर थाना प्रभारी उप निरीक्षक विकास गेहलोत के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई की। 24 अक्टूबर को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने अफजलपुर की नई आबादी में सफेद रंग की महिंद्रा टीयूवी कार क्रमांक एमपी 14 सीसी 1961 की तलाशी ली। वाहन से देशी मसाला



शराब की 25 पेटी और देशी प्लेन शराब की 15 पेटी बरामद हुई। कुल 40 पेटियों में 360 लीटर शराब मिली। पुलिस ने वाहन चालक बबलू सिंह राठौर पिता हड़मत सिंह राठौर, उम्र 26 वर्ष, निवासी आक्या रोड, साखतली, थाना सीतामऊ, को गिरफ्तार कर लिया। मामले में अर्जुन गुर्जर पिता गोकुल चंदेल गुर्जर, निवासी नई आबादी अफजलपुर, फरार है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध अफजलपुर थाने में आबकारी अधिनियम की धारा 34 और 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है। जब्त शराब की कीमत करीब 2 लाख रुपए और टीयूवी वाहन की कीमत करीब 5 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस अवैध शराब के स्रोत और इस मामले में शामिल अन्य लोगों के संबंध में भी जांच कर रही है। कार्रवाई में अफजलपुर और सीतामऊ थाना पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

देशी उन्नत नस्ल की गायों से बढ़ेगा पशुपालन का प्रोत्साहन

मंदसौर। जिले के चयनित वृंदावन ग्राम नांदवेल, धुंधड़का, लदुना और संधारा में गोपाल कृष्ण पुरस्कार योजना के तहत विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता 27 से 31 अक्टूबर तक आयोजित की जाएगी। योजना का उद्देश्य भारतीय उन्नत नस्ल की दुधारू गायों के पालन को प्रोत्साहित करना और पशुपालकों को बेहतर दुग्ध उत्पादन के लिए प्रेरित करना है। उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी डॉ. डामोर ने बताया कि प्रतियोगिता में केवल भारतीय उन्नत नस्ल की गायों को शामिल किया जाएगा। इनमें साहीवाल, गिर, मालवी और थारपारकर नस्ल की गायें पात्र होंगी। संकर नस्ल की गायों को प्रतियोगिता में शामिल नहीं किया जाएगा। गाय का प्रतिदिन दुग्ध उत्पादन कम से कम 6 लीटर होना आवश्यक है। साथ ही गाय के पास यूनिक आईडी टैग होना चाहिए और उसकी समस्त जानकारी भारत पशुधन पोर्टल पर दर्ज होना अनिवार्य है।.

दीनदयाल रसोई के संचालन में मिलीं अनियमितताएं

मंदसौर। शहर में संचालित पंडित दीनदयाल रसोई के कामकाज को लेकर कांग्रेस द्वारा उठाए गए सवालों के बाद नगर पालिका ने रसोई का भौतिक सत्यापन किया। कांग्रेस के अनुसार, सत्यापन में अनियमितताएं पाए जाने की पुष्टि हुई है। इसके बाद ब्लॉक कांग्रेस कमेटी शहर ने मामले में दोषियों पर कठोर कार्रवाई करने और राशि की वसूली की मांग की है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी शहर मंदसौर के अध्यक्ष इष्टा भाचावत के नेतृत्व में 23 अक्टूबर को कांग्रेस पार्षदों, पूर्व पार्षदों और पदाधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी से मुलाकात कर पंडित दीनदयाल रसोई के संचालन में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाया था। प्रतिनिधिमंडल ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत रसोई के संचालन से संबंधित जानकारी भी मांगी थी। कांग्रेस का कहना है कि नगर पालिका की ओर से निर्धारित समय में जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई। कांग्रेस के मुताबिक, 25 अक्टूबर को नगर पालिका के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने रसोई का भौतिक सत्यापन किया, जिसमें अनियमितताएं सामने आईं।

छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ
छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ



क्लासीफाईड विज्ञापन दरें
150/- रूपये प्रतिदिन 25 शब्दों तक
स्कीम
2 दिन के विज्ञापन पर 2 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
5 दिन के विज्ञापन पर 10 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
10 दिन के प्रकाशन पर 20 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
राष्ट्रीय गरिमा समाचार पत्र में विज्ञापन देकर अपने व्यापार को दें नई उड़ान
सम्पर्क करें : 8602000710, 8602000703
मात्र 1500/- रूपये में पूरे एक माह चलायें

मंदसौर में खाद वितरण की व्यवस्था बदली, अब सुबह 8 बजे से मिलेंगे उर्वरक

जिले के सभी 13 नगद विक्रय केंद्र शनिवार को भी खुलेंगे, प्रत्येक केंद्र पर रहेंगी पांच पीओएस मशीनें

मंदसौर। रबी फसलों की बुवाई के दौरान किसानों को उर्वरक प्राप्त करने में परेशानी न हो, इसके लिए जिला प्रशासन ने वितरण व्यवस्था को अधिक सुगम बनाने की तैयारी की है। अब जिले के सभी 13 नगद विक्रय केंद्र सुबह 8 बजे से शुरू होंगे और शनिवार को भी खुले रहेंगे। उर्वरक वितरण में लगने वाले समय को कम करने के लिए प्रत्येक केंद्र पर पांच पीओएस मशीनें उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके लिए शासन से 100 अतिरिक्त मशीनें मंगवाई जा रही हैं। जिले में यूरिया, डीएपी सहित सभी प्रकार के उर्वरकों का पर्याप्त भंडार होने की जानकारी देते हुए कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने किसानों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की है। उर्वरक वितरण व्यवस्था को लेकर रविवार को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों और संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। इसमें किसानों को कम से कम समय में सभी प्रकार के उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए कार्ययोजना तैयार की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वितरण व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखें और किसानों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होने दें। बैठक में भारतीय किसान संघ के जिला पदाधिकारी भंवर सिंह पवार, प्रीतिपाल सिंह देवड़ा, आशा कुंवर राठौर, राधेश्याम भाटी, बालेश्वर पाटीदार, प्यारचंद भारती, शकुंतला परमार, भंवरलाल शर्मा और मोहनलाल बोडाना उपस्थित रहे। इनके अलावा उपसंचालक कृषि रविंद्र मोदी, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के महाप्रबंधक सुनील कछारा, मार्केटिंग फेडरेशन की जिला अधिकारी गरिमा सेंगर, एमपी एग्रो के अग्रवाल तथा सहकारिता सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि पीओएस मशीनों की संख्या बढ़ाने के साथ ही उन्हें संचालित करने के लिए पर्याप्त संख्या में प्रशिक्षित कर्मचारियों की तैनाती की जाए। डबल लॉक केंद्रों पर भी अतिरिक्त कर्मचारी लगाए जाएंगे, ताकि किसानों को कतारों में अधिक समय तक इंतजार नहीं करना पड़े। नगद विक्रय केंद्रों, सहकारी समितियों और अन्य उर्वरक वितरण केंद्रों पर सभी प्रकार के उर्वरकों का पर्याप्त स्टॉक रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। इससे किसानों को अलग-अलग प्रकार के उर्वरक लेने के लिए विभिन्न केंद्रों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी उपेन्द्र तिवारी द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस कम्प्लेक्स जोन 1 एमपी नगर भोपाल से मुद्रित एवं बी-14 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक : अभिमन्यु तिवारी,सहायक सम्पादक : शैलेन्द्र तिवारी।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा। (समाचार प्रकाशन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार*) आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक 61858/95, मो. 8602000710 , 8602000701

दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
शुभ प्रभात
www.rashtriyagarima.com
भोपाल, सोमवार 26 अक्टूबर 2026

एसपी की बड़ी कार्रवाई,स्पेशल टीम भंग,8 पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

दौसा। एसपी कुंदन कंवरिया ने जिला स्पेशल टीम को भंग कर दिया है। टीम में तैनात 8 पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर किया गया है। वहीं, डीएसटी की कार्यप्रणाली की जांच सीओ सिटी कपिल गुप्ता को सौंपी गई है। एसपी के इस आदेश के बाद पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई है। बताया जा रहा है कि टीम की कार्यप्रणाली में सुस्ती, बड़ी कार्रवाई नहीं होने और सक्रियता की कमी के चलते यह कदम उठाया गया है।

चाचा का सोना चुराकर खरीदी थार, फिर उन्हीं से कराई कार की पूजा

कोल्हापुर। महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले से एक ऐसा हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक 19 वर्षीय युवक पर अपने ही चाचा के घर से सोना चुराकर महिंद्रा थार खरीदने का आरोप है। इससे भी चौंकाने वाली बात यह है कि आरोपी ने इन्हीं पैसों से एक नई थार खरीदने के बाद अपने चाचा को ही उसकी पूजा में शामिल होने के लिए बुलाया। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने युवक और एक स्थानीय सुनार को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार,आरोपी की पहचान सातवे गांव निवासी समर पोपट चव्हाण के रूप में हुई है।

कांग्रेस से दिल्ली के व्यापारियों की अपील,दिवाली के बाद करें महारैली

रैली और ट्रैफिक प्रतिबंधों से दिल्ली के कारोबार को नुकसान होने की आशंका



नई दिल्ली। दिल्ली के रामलीला मैदान में एक नवंबर को प्रस्तावित कांग्रेस की महारैली को लेकर व्यापारियों ने चिंता जताई है। व्यापारियों और उद्यमियों के संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को पत्र लिखकर रैली दिवाली के त्योहार के बाद आयोजित करने की अपील की है। संगठन का कहना है कि त्योहारों के व्यस्त कारोबारी सीजन में रैली के कारण यातायात प्रतिबंध और रास्ते बंद होने से व्यापार प्रभावित हो सकता है। सीटीआई ने आशंका जताई है कि इससे दिल्ली के कारोबार को करीब 10 हजार करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता है। सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने पत्र में अनुरोध किया कि रैली को 10 नवंबर यानी भैया दूज के बाद आयोजित करने पर विचार किया जाए। उन्होंने कहा कि धनतेरस और दीपावली से पहले ही बाजारों में खरीदारी शुरू हो जाती है। इस दौरान सोना-चांदी, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ा, सूखे मेवे, मिठाई, वाहन, संपत्ति और उपहारों की खरीदारी बड़े पैमाने पर होती है। सीटीआई के अनुसार, धनतेरस के अवसर पर दिल्ली में विभिन्न क्षेत्रों का कारोबार लगभग 25 हजार करोड़ रुपये तक पहुंचता है। ऐसे में इस महत्वपूर्ण कारोबारी अवधि में बड़े आयोजन से व्यापारियों को नुकसान होने की आशंका है। बृजेश गोयल ने कहा कि रामलीला मैदान के पांच किलोमीटर के दायरे में चांदनी चौक, सदर बाजार, चावड़ी बाजार, भागीरथ पैलेस, खारी बावली, कश्मीरी गेट,नया बाजार, करोल बाग, आजाद मार्केट और लाजपत राय मार्केट सहित कई प्रमुख थोक एवं खुदरा बाजार स्थित हैं। इन बाजारों से देशभर में सामान की आपूर्ति होती है। उन्होंने आशंका जताई कि रैली के दौरान ट्रैफिक डायवर्जन, बैरिकेडिंग और संभावित प्रतिबंधों के कारण बाजारों तक पहुंचने में लोगों को परेशानी हो सकती है। पुरानी दिल्ली और नई दिल्ली रेलवे स्टेशनों के आसपास यातायात प्रभावित होने से बाहर से आने वाले व्यापारियों और खरीदारों की आवाजाही भी बाधित हो सकती है। सीटीआई के मुताबिक, कनॉट प्लेस, इंडिया गेट और मध्य दिल्ली में पहले आयोजित रैलियों, मार्च तथा रास्तों पर प्रतिबंधों के कारण व्यापारियों को करीब तीन हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। संगठन का दावा है कि इससे थोक बाजारों में माल की आपूर्ति और खुदरा बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित हुई थी। वहीं इस मामले में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में रैली आयोजित करने के कांग्रेस नेता राहुल गांधी के फैसले पर सवाल उठाते हुए इसे सिख समाज की भावनाओं को आहत करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि एक नवंबर का दिन 1984 के सिख विरोधी दंगों की दर्दनाक यादों से जुड़ा है। ऐसे में इस तारीख को रैली करने की जिद सिख समाज के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसी है।

काशी के नमो घाट से प्रधानमंत्री मोदी ने देखा 'विंग्स ओवर गंगा' एयर शो

लड़ाकू विमानों की गर्जना से गूंजा गंगा तट,100 विमानों ने दिखाए हैरतअंगेज करतब



वाराणसी,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के नमो घाट से भारतीय वायुसेना के शौर्य, कौशल और अदम्य पराक्रम का शानदार नजारा देखा। भारतीय वायुसेना की 94वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित 'विंग्स ओवर गंगा' के तीसरे दिन 'एयर फोर्स डे एरियल डिस्प्ले-2026' में 100 विमानों और हेलीकॉप्टरों ने गंगा के ऊपर हैरतअंगेज हवाई करतब दिखाए। लड़ाकू विमानों की गर्जना, तेज रफ्तार और रोमांचक फॉर्मेशन ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और हजारों दर्शकों को रोमांचित कर दिया। गंगा के आसमान में भारतीय वायुसेना की ताकत का प्रदर्शन हुआ तो घाटों और तटों पर मौजूद लोगों का उत्साह भी चरम पर पहुंच गया। पूरा वातावरण देशभक्ति के रंग में रंग गया। दर्शक 'भारत माता की जय', 'हर-हर महादेव', 'वंदे मातरम' और 'मोदी-मोदी' के जयकारे लगाते रहे। प्रधानमंत्री मोदी और अन्य विशिष्ट अतिथियों ने तालियां बजाकर वायुसेना के जांबाजों का उत्साह बढ़ाया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन किया और इशारे से 'जय हिंद' का संदेश भी दिया। पुष्पवर्षा और 'नमो-नमो' के नारों के बीच प्रधानमंत्री मुस्कराते नजर आए। वह बीच-बीच में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बातचीत भी करते दिखे। हवाई प्रदर्शन में सुखोई-30 एमकेआई,राफेल,मिराज-2000, मिग-29,एलसीए और जगुआर जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों ने अपनी ताकत और युद्धक क्षमता का प्रदर्शन किया। हार्वर्ड विमान के साथ सूर्यकिरण और सारंग एरोबेटिक टीमों ने भी अपने शानदार करतबों से दर्शकों का ध्यान खींचा। अलग-अलग दिशाओं से विमानों की आवाजाही, तेज रफ्तार, सटीक तालमेल और आकर्षक फॉर्मेशन ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विमानों की तकनीकी विशेषताओं और सामरिक क्षमताओं पर आधारित कमेंट्री ने प्रदर्शन को और रोचक बनाया। इससे दर्शकों को भारतीय वायुसेना की कार्यप्रणाली, आधुनिक तकनीक और परिचालन क्षमता के बारे में जानने का अवसर मिला। एयर शो में लड़ाकू विमानों के अलावा हेलीकॉप्टर, परिवहन और सहायक विमानों ने भी अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया। हेलीकॉप्टर बेड़े में एलसीएच, चिनूक, एएलएच मार्क-एएलएच मार्क, अपाचे, चेतक, कामोव-31 और एमआई-17 वी5 शामिल रहे। वहीं, परिवहन एवं सहायक विमानों में सी-295, सी-17, सी-130, एईडब्ल्यूएंडसी, आईएल-78, एएन-32 और पी-8आई ने हिस्सा लिया। प्रदर्शन में भारतीय थल सेना के दो एएलएच हेलीकॉप्टरों के साथ भारतीय नौसेना के एक पी-8आई विमान और एक कामोव-31 हेलीकॉप्टर ने भी भागीदारी की। भारतीय वायुसेना के गरुड़ विशेष बल की मौजूदगी ने कार्यक्रम के सामरिक महत्व को और बढ़ाया। इस भव्य हवाई प्रदर्शन में कुल 100 विमानों ने हिस्सा लिया।

परिसीमन विधेयक पर भाजपा की नजरें डीएमके और सपा पर टिंकी

सत्रावसान न होने का फायदा उठाते हुए विधेयक पारित कराने की तैयारी में केंद्र



नई दिल्ली। केंद्र सरकार संसद के मॉनसून सत्र का सत्रावसान न होने का फायदा उठाते हुए परिसीमन विधेयक पारित कराने की तैयारी में है। हालांकि,इसके लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत जुटाने में भले ही फिलहाल चुनौती दिख रही हो, लेकिन मोदी सरकार को भरोसा है कि प्रमुख विपक्षी दलों को अपने पक्ष में लाकर इसे हासिल किया जा सकता है। वर्तमान में लोकसभा में तीन सीटें खाली होने के कारण कुल 540 सांसद हैं। संविधान संशोधन के लिए कम से कम 360 वोटों की आवश्यकता होगी। एनडीए के पास अभी 320 सांसदों का समर्थन है, जिसमें टीएमसी के 20 बागी सांसद, शिवसेना के 6 सांसद और शिरोमणि अकाली दल का एक सांसद शामिल हैं। वायएसआरसीपी के 4 सांसद भी पहले सरकार के साथ खड़े रहे हैं,जिससे यह आंकड़ा 324 तक पहुंच सकता है। राज्यसभा में 244 सदस्यों में से 164 वोटों की जरूरत होगी,जबकि एनडीए को फिलहाल 158 सांसदों का समर्थन मिलता दिख रहा है। एनडीए के रणनीतिकारों के लिए अगला हफ्ता,खासकर 30 अक्टूबर से 4 नवंबर के बीच का समय, बेहद अहम है। इस अवधि में सफलता न मिलने पर सरकार के परिसीमन एजेंडे के लिए चुनौतियां काफी बढ़ सकती हैं। सरकार डीएमके, एनसीपी (एसपी), शिवसेना (यूबीटी),ओवैसी की एआईएमआईएम,बीजेडी और वाईएसआरसीपी जैसे कई दलों के संपर्क में है। इस सूची में विपक्षी गठबंधन का अहम हिस्सा मानी जाने वाली समाजवादी पार्टी भी शामिल है। डीएमके ने भले ही तमिलनाडु विधानसभा में परिसीमन विरोधी प्रस्ताव का समर्थन किया है और कांग्रेस के साथ सहज महसूस न करने की बात कही है, लेकिन बीजेपी को उम्मीद है कि सीटों पर 50 प्रतिशत की सीमा तय करने से वह मान सकती है। हालांकि,डीएमके सूत्रों का कहना है कि वे विधेयक की बारीकियों को देखे बिना कोई टिप्पणी या वादा नहीं करेंगे। उत्तर प्रदेश में अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही समाजवादी पार्टी भी कांग्रेस से नाराज़ दिख रही है। परिसीमन के बाद यूपी से सांसदों की संख्या बढ़ने की संभावना है, जिससे सपा को फायदा मिल सकता है।

उदित राज ने शरजील की पैरवी की, बोले-न्यायपालिका भी न्याय नहीं दे रही

जामिया में विवादित नारों की जांच और कुलपति की जवाबदेही तय करने की मांग



नई दिल्ली। कांग्रेस नेता उदित राज ने शरजील इमाम को जमानत दिए जाने की पैरवी करते हुए आरोप लगाया कि न्यायपालिका भी उन्हें न्याय नहीं दे रही है। दिल्ली के जामिया मिलिया इस्लामिया की दीवारों पर 'फ्री कश्मीर' और 'फ्री शरजील इमाम' जैसे नारे लिखे जाने के मामले में उन्होंने जांच कराने की मांग की। साथ ही विश्वविद्यालय के कुलपति की जिम्मेदारी तय करने की बात कही। उदित राज ने मीडिया से एक बातचीत के दौरान कहा कि सरकार को यह पता लगाने के लिए जांच करानी चाहिए कि विश्वविद्यालय की दीवारों पर विवादित नारे किसने लिखे हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच खुफिया ब्यूरो (आईबी) से कराई जा सकती है और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) भी इसकी जांच कर सकती है। कांग्रेस नेता ने कुलपति पर आरएसएस और भाजपा समर्थक होने का आरोप लगाते हुए उनकी जवाबदेही तय करने की मांग की। शरजील इमाम को जमानत दिए जाने की वकालत करते हुए उदित राज ने कहा कि जमानत देने से इनकार करना गलत है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक विशेष समुदाय से आने के कारण इमाम के मामले में ऐसा हो रहा है। उदित राज ने न्यायपालिका पर सरकार के दबाव में काम करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कॉलेजियम प्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री इसे तय करते हैं। उनके मुताबिक,अखिल भारतीय न्यायिक सेवा (एआईजेएस) लागू होने तक न्यायपालिका से न्याय मिलना मुश्किल रहेगा। कांग्रेस नेता ने केरल के राज्यपाल के लोकभवन में केवल शाकाहारी रसोई रखने संबंधी कथित आदेश पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति का स्वयं शाकाहारी भोजन करना अलग बात है,लेकिन सरकारी आवास में दूसरों के खानपान पर रोक लगाना उचित नहीं है। उदित राज ने इसे लोगों पर अपनी पसंद थोपने का प्रयास बताया और कहा कि खानपान के मामले में सभी को स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। भारत-चीन सीमा से जुड़े एक बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उदित राज ने आरोप लगाया कि भारतीय जमीन पर कब्जे की स्थिति बढ़ रही है।



केरलम के लोक भवन में शाकाहारी भोजन वाले आदेश पर बढ़ा विवाद



कांग्रेस और माकपा ने राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर के फैसले की आलोचना की

तिरुवनंतपुरम। केरलम के नए राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर के कार्यभार संभालने के पहले ही दिन लोक भवन की रसोई में केवल शाकाहारी भोजन तैयार करने के कथित निर्देश को लेकर विवाद खड़ा हो गया। कांग्रेस और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) यानी माकपा ने इस फैसले की आलोचना करते हुए इसे लोगों की खान-पान संबंधी स्वतंत्रता में हस्तक्षेप बताया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, केरलम के 29वें राज्यपाल के रूप में शपथ लेने के बाद माथुर ने लोक भवन की रसोई में मांसाहारी भोजन नहीं बनाने और न परोसने का निर्देश दिया। राज्यपाल कार्यालय के सूत्रों का कहना है कि माथुर स्वयं पूरी तरह शाकाहारी हैं और इसी वजह से उन्होंने रसोई में बदलाव का निर्देश दिया। सूत्रों के मुताबिक,वहां तैयार भोजन मुख्य रूप से राज्यपाल और उनके निजी स्टाफ के कुछ सदस्यों को परोसा जाता था। अन्य कर्मचारी या तो घर से खाना लाते थे या बाहर भोजन करते थे। इस मामले में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इस कथित निर्देश की आलोचना करते हुए कहा कि राज्यपाल का फैसला अधिकार सीमा से आगे जाने जैसा है। उन्होंने कहा कि केरलम की खाद्य संस्कृति विविधतापूर्ण है और तटीय राज्य होने के कारण यहां मछली समेत विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ लोगों के भोजन का हिस्सा हैं। वेणुगोपाल ने कहा कि लोगों को अपनी पसंद के अनुसार शाकाहारी या मांसाहारी भोजन चुनने का अधिकार है। उन्होंने कहा, केरलम के लोगों की खान-पान की आदतों पर पाबंदी लगाने या उन्हें यह बताने की कोशिश कि उन्हें आगे क्या खाना चाहिए, बिल्कुल भी स्वीकार नहीं की जा सकती। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह की पाबंदियां लोगों की पारंपरिक जीवनशैली और संविधान से मिले मौलिक अधिकारों के खिलाफ हैं। कांग्रेस नेता और गृह मंत्री रमेश चेन्नीथला ने भी कहा कि दूसरों को क्या खाना चाहिए, यह तय करना उचित नहीं है। उनके मुताबिक,खान-पान का चुनाव व्यक्तिगत स्वतंत्रता का विषय है। माकपा के राज्य सचिव एमवी गोविंदन ने भी इस मामले में राज्यपाल के कथित निर्देश की आलोचना की। उन्होंने कहा कि भारत में लोगों को शाकाहारी और मांसाहारी भोजन के बीच चयन करने का लोकतांत्रिक अधिकार है। गोविंदन ने आरोप लगाया कि इस अधिकार को सीमित करने की कोशिशों के पीछे संघ परिवार का सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का एजेंडा है। कांग्रेस और माकपा ने इस मुद्दे को केरलम की विविध खाद्य परंपराओं और व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जोड़ते हुए राज्यपाल के फैसले पर सवाल उठाए हैं। दूसरी ओर,राज्यपाल कार्यालय के सूत्रों का कहना है कि कर्मचारियों के खान-पान पर कोई रोक नहीं लगाई गई है।

हाईकोर्ट के फरमान की अवहेलना करने पर एसएसपी को पड़ी महंगी

प्रयागराज। शादी का झांसा देकर कोर्ट से जमानत हथियाने और जेल से बाहर आते ही वादे से मुकरने वाले एक आरोपी पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कड़ा चाबुक चलाया है। अदालत ने आरोपी की जमानत तत्काल प्रभाव से निरस्त करते हुए उसे हिरासत में भेजने का फरमान सुनाया। इसके साथ ही अदालती आदेशों की अनदेखी और लापरवाही के चलते हाईकोर्ट ने मेरठ के एसएसपी को शाम चार बजे तक कोर्ट रूम में ही खड़ा रहने की सख्त सजा सुनाई। वहीं, मेरठ के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के रुख को घोर अनुशासनहीनता मानते हुए उनके खिलाफ प्रशासनिक जांच की सिफारिश कर दी। न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकल पीठ ने जमानत निरस्तीकरण याचिका पर यह सख्त फैसला सुनाया। मेरठ के सरधना थाने से जुड़े इस मामले में आरोपी को हाईकोर्ट ने बीते 18 मार्च को इस शर्त और लिखित शपथ पत्र पर जमानत दी थी कि वह पीड़िता से विवाह करेगा। जेल से रिहा होने के बाद आरोपी अपने वादे से साफ मुकर गया। इसके बाद पीड़िता ने न्याय की गुहार लगाते हुए जमानत रद्द करने की अर्जी लगाई।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

भोपाल, सोमवार 26 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

सम्पादकीय

लॉबिंग शक्ति जग-जाहिर

जजों ने कैंसर की दवा का उदाहरण दिया, जिसकी खुदरा कीमत करीब 3,000 रुपये है, पर उसे 27,000 रुपये में बेचा जाता है। कोर्ट ने वाजिब सवाल पूछा कि यह अंतर किसकी जेब में जाता है? दवाओं की खुदरा कीमत पर अतिरिक्त रकम (मार्क-अप) वसूलने की बढ़ी प्रवृत्ति को उचित ही सुप्रीम कोर्च ने 'कत्ल-ए-आम' कहा है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की खंडपीठ ने केंद्र से पूछा कि औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश- 2013 में खुदरा मूल्य पर तय 16 प्रतिशत का मार्जिन सभी आवश्यक दवाओं पर समान रूप से लागू क्यों नहीं किया जाता? जजों ने कैंसर की दवा का उदाहरण दिया, जिसकी खुदरा कीमत करीब 3,000 रुपये है, पर उपभोक्ताओं को उसे 27,000 रुपये में बेचा जा रहा है। कोर्ट ने वाजिब सवाल पूछा कि 'लगभग 24,000 रुपये का यह अंतर किसकी जेब में जाता है?' तो सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि यह लाभ दवा कंपनियों को नहीं, बल्कि निजी अस्पतालों को मिलता है। तब खंडपीठ ने जिक्र किया कि प्राइवेट अस्पताल मरीजों को अपनी दवा दुकानों से औषधि खरीदने को मजबूर करते हैं। स्पष्टत: इस लूट का शिकार मरीज बनते है, जिनके पास अस्पताल की बात मानने के अलावा कोई और चारा नहीं होता। दरअसल, दवाओं की महंगाई और उनके जरिए मरीजों को चूना लगाने का चलन असह्य सीमा तक बढ़ चुका है। इसी सिलसिले में इस हफ्ते केरल हाई कोर्ट ने फैसला सुनाया कि जब पेटेंटेड जीवन रक्षक दवाएं बहुत महंगी हो जाएं, तब केंद्र आम जन के हित में पेटेंट अधिनियम- 1970 की धारा 100 का उपयोग कर सकता है। यह धारा सरकार को गैर-व्यावसायिक आधार पर मरीजों को पेटेंट वाली दवाएं मुहैया कराने या किसी तीसरे पक्ष को इसका उपयोग करने की अनुमति देने का अधिकार देती है। हाई कोर्ट ने इसे संविधान के अनुच्छेद-47 (जन स्वास्थ्य संरक्षण) की भावना के अनुरूप बताया। यानी सरकार चाहे, तो अंधाधुंध मुनाफा कमाने में जुटी कंपनियों पर लगाम कसते हुए मजबूर मरीजों के हितों की रक्षा कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान मार्क-अप वसूली की समस्या का हल निकालने का आश्वासन केंद्र ने दिया। लेकिन ये पहल सिर्फ खानापूरी नहीं रह जानी चाहिए। प्राइवेट अस्पताल और दवा कंपनियों की लॉबिंग शक्ति जग-जाहिर है। क्या केंद्र उनके बरक्स खड़ा होकर मरीज हितों की रक्षा कर पाएगा, यह महत्त्वपूर्ण प्रश्न है।

जनकल्याणकारी योजनाओं से बदल रही सरगुजा की तस्वीर

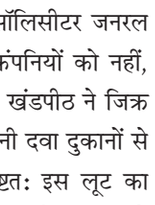
सुनील त्रिपाठी

जनकल्याणकारी योजनाओं से बदल रही सरगुजा की तस्वीर, आत्मनिर्भरता और समृद्धि की ओर बढ़ रहे परिवार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर संचालित विभिन्न केंद्रीय योजनाओं तथा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की जनकल्याणकारी पहलों से नागरिकों को शिक्षा, स्वरोजगार, महिला सशक्तिकरण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, छात्रवृत्ति योजनाएं, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, छत्तीसगढ़ महिला कोष की सक्षम योजना और महतारी वंदन योजना जैसी पहलें जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के साथ उनकी क्षमताओं को विकसित करने में भी सहायक बन रही हैं। जनकल्याणकारी योजनाओं से बदल रही सरगुजा की तस्वीर, आत्मनिर्भरता और समृद्धि की ओर बढ़ रहे परिवार सरगुजा के पांच हितग्राहियों के अनुभव बताते हैं कि योजनाओं का लाभ जब लोगों की वास्तविक जरूरतों से जुड़ता है, तो उसका प्रभाव केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे परिवार के भविष्य को नई दिशा मिलती है। पीएम सूर्य घर योजना: कभी चार से पांच हजार रुपये आता था बिजली बिल, अब सौर ऊर्जा से मिल रही राहत बढ़ती घरेलू बिजली जरूरतों के बीच सौर ऊर्जा नागरिकों के लिए बिजली खर्च कम करने का उपयोगी विकल्प बन रही है।



विकास की वास्तविक पहचान केवल सड़कों, भवनों और अधोसंरचनाओं के निर्माण से नहीं, बल्कि आम नागरिकों के जीवन में आने वाले सकारात्मक बदलाव से होती है। जब किसी परिवार का बिजली खर्च कम होने लगे, आर्थिक कठिनाइयों के बीच विद्यार्थी उच्च शिक्षा जारी रख सके, कोई महिला स्वयं का व्यवसाय स्थापित कर परिवार की जिम्मेदारियां संभाले और एक उद्यमी उद्योग लगाकर रोजगार के अवसर विकसित करे, तब जनकल्याणकारी योजनाओं का वास्तविक प्रभाव दिखाई देता है। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित परिवारों की कहानियां ऐसे ही बदलाव की तस्वीर प्रस्तुत कर रही हैं। जनकल्याणकारी योजनाओं से बदल रही सरगुजा की तस्वीर, आत्मनिर्भरता और समृद्धि की ओर बढ़ रहे परिवार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर संचालित विभिन्न केंद्रीय योजनाओं तथा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की जनकल्याणकारी पहलों से नागरिकों को शिक्षा, स्वरोजगार, महिला सशक्तिकरण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, छात्रवृत्ति योजनाएं, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, छत्तीसगढ़ महिला कोष की सक्षम योजना और महतारी वंदन योजना जैसी पहलें जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के साथ उनकी क्षमताओं को विकसित करने में भी सहायक बन रही हैं। जनकल्याणकारी योजनाओं से बदल रही सरगुजा की तस्वीर, आत्मनिर्भरता और समृद्धि की ओर बढ़ रहे परिवार सरगुजा के पांच हितग्राहियों के अनुभव बताते हैं कि योजनाओं का लाभ जब लोगों की वास्तविक जरूरतों से जुड़ता है, तो उसका प्रभाव केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे परिवार के भविष्य को नई दिशा मिलती है। पीएम सूर्य घर योजना: कभी चार से पांच हजार रुपये आता था बिजली बिल, अब सौर ऊर्जा से मिल रही राहत बढ़ती घरेलू बिजली जरूरतों के बीच सौर ऊर्जा नागरिकों के लिए बिजली खर्च कम करने का उपयोगी विकल्प बन रही है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से घरों की छतों पर सोलर सिस्टम स्थापित करने के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। अम्बिकापुर के बिलासपुर रोड स्थित मठपारा निवासी पंकज साहू ने इस योजना का लाभ लेकर अपने घर की छत पर तीन किलोवाट क्षमता का सोलर सिस्टम स्थापित कराया है। पंकज साहू बताते हैं कि पहले गर्मी के दिनों में उनके घर का मासिक बिजली बिल लगभग चार से पांच हजार रुपये तक पहुंच जाता था। घरेलू बिजली खर्च कम करने के उद्देश्य से उन्होंने योजना के पोर्टल के माध्यम से आवेदन किया और सोलर सिस्टम लगवाया। इसके लिए उन्हें केंद्र सरकार की ओर से 78 हजार रुपये तथा राज्य सरकार की ओर से 30 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई। इस प्रकार कुल एक लाख आठ हजार रुपये की आर्थिक सहायता से सोलर सिस्टम स्थापित करने का खर्च कम हुआ। सोलर सिस्टम लगने के बाद उनके बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आई है। पंकज साहू के अनुसार, कई बार घरेलू आवश्यकता से अधिक उत्पादित बिजली ग्रिड में भेजे जाने के कारण उनका बिजली खाता क्रेडिट में भी दिखाई देता है। पहले जहां बिजली बिल परिवार के नियमित खर्च का महत्वपूर्ण हिस्सा था, वहीं अब घर की छत पर स्थापित सोलर सिस्टम बिजली खर्च में राहत देने के साथ स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन का माध्यम बन गया है। पंकज साहू का अनुभव दर्शाता है कि सौर ऊर्जा के उपयोग से परिवार अपनी बिजली जरूरतों का एक हिस्सा स्वयं पूरा कर सकते हैं। इससे घरेलू खर्च कम करने के साथ पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा को भी प्रोत्साहन मिलता है। छात्रवृत्ति बनी कृष्णा यादव की उच्च शिक्षा का सहारा, किताबों और कॉलेज आने-जाने के खर्च में मिली मदद शिक्षा किसी भी परिवार की सामाजिक और आर्थिक प्रगति का महत्वपूर्ण आधार है, लेकिन सीमित आय वाले परिवारों के लिए उच्च शिक्षा से जुड़े खर्चों की व्यवस्था करना आसान नहीं होता। ऐसे विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति योजनाएं पढ़ाई जारी रखने का महत्वपूर्ण सहारा बन रही हैं। अम्बिकापुर के राजीव गांधी पीजी कॉलेज में बीएससी प्रथम सेमेस्टर के छात्र कृष्णा यादव की कहानी इसका उदाहरण है। कृष्णा के पिता कृषि कार्य कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। खेती से प्राप्त सीमित आय में परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों के साथ कॉलेज की पढ़ाई का खर्च उठाना चुनौतीपूर्ण होता है। किताबें, कॉपियां, अध्ययन सामग्री और कॉलेज आने-जाने पर होने वाला खर्च परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों को बढ़ा देता है। ऐसे में छात्रवृत्ति से मिलने वाली सहायता कृष्णा की शिक्षा को निरंतर जारी रखने में उपयोगी साबित हो रही है। कृष्णा छात्रवृत्ति की राशि का उपयोग पढ़ाई से संबंधित आवश्यक सामग्री खरीदने और आवागमन के खर्च में करते हैं। इससे उनके परिवार पर आर्थिक दबाव कम करने में मदद मिल रही है। आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद उच्च शिक्षा प्राप्त करने का उनका प्रयास दर्शाता है कि छात्रवृत्ति योजनाएं जरूरतमंद विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा विकसित करने और भविष्य के लिए बेहतर अवसर तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। पीएमईजीपी से हर्षिता खत्री बनीं उद्यमी, 25 लाख रुपये के ऋण से स्थापित किया फर्नीचर निर्माण उद्योग आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में स्वरोजगार और उद्यमिता की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के माध्यम से इच्छुक उद्यमियों को स्वयं का उद्योग या व्यवसाय स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने का अवसर मिलता है। अम्बिकापुर की श्रीमती हर्षिता खत्री ने इस योजना के अंतर्गत 25 लाख रुपये का ऋण प्राप्त कर फर्नीचर निर्माण उद्योग स्थापित किया है। श्रीमती हर्षिता खत्री साईं इंडस्ट्रीज एंड प्रोडक्ट की प्रोपराइटर हैं। उनके पति दिलीप खत्री उद्योग के संचालन और प्रबंधन में सहयोग करते हैं। परिवार लंबे समय से स्वयं का व्यवसाय स्थापित करना चाहता था, लेकिन पर्याप्त आर्थिक संसाधन उपलब्ध नहीं होने के कारण यह सपना पूरा नहीं हो पा रहा था। जिला व्यापार एवं उद्योग कार्यालय से प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम की जानकारी मिलने के बाद हर्षिता खत्री के नाम से ऋण के लिए आवेदन किया गया। ऋण स्वीकृत होने पर फर्नीचर निर्माण इकाई की स्थापना संभव हो सकी। इस इकाई में पार्टिकल बोर्ड से टेबल, ऑफिस टेबल, ड्रेसिंग टेबल, सोफा, पलंग और अलमारी सहित विभिन्न प्रकार के फर्नीचर तैयार किए जाते हैं।

राशिफल



मेष राशि: आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। व्यापार को बढ़ाने के कुछ नए तरीके आपके दिमाग में आयेंगे। आप अपनी बातों को अपने पिता से जरूर शेयर करें, इससे जीवन में चल रही परेशानियों का हल मिलेगा। मिल कर किये गए कार्यों में आपको बहुत हद तक सफलता मिलेगी। घर के बड़े से कोई नई बात सीखेंगे। व्यापार में धन लाभ की प्राप्ति होगी।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज नए कार्यों को करने में आपको अपनों का पूरा साथ मिलेगा। आपका मन ईश्वर की भक्ति में लगा रहेगा, आप किसी मंदिर जा सकते हैं जहां आपको खुशी मिलेगी। करियर में आप नये आयाम स्थापित करेंगे। किसी काम में जीवनसाथी की सलाह फायदेमंद रहेगी।

मिथुन राशि: आज आपका दिन व्यस्तता में बीतेगा। आप नई जिम्मेदारी लेने में थोड़ा संकोच करेंगे, लेकिन धैर्य से काम करने पर सफलता मिलेगी। जीवनसाथी के साथ बेहतर तालमेल बना रहेगा। कला और साहित्य के क्षेत्र में रुझान रहेगा, लोग आपकी तारीफ़ करेंगे। इस राशि के जो लोग खेल जगत से जुड़े हैं, वे अपनी प्रैक्टिस में व्यस्त रहेंगे।

कर्क राशि: आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज रोजमर्रा के कार्यों से आपको फायदा होगा। कारोबार में पैसा लगाने के बारे में सोचेंगे, बड़ो की राय बेहतर साबित होगी। सामाजिक कार्यों में सहयोग देने से आपको अच्छा फील होगा। परिवार वालों के साथ घर पर मूवी देखने का प्लान बनायेंगे। आज आपको किसी सम्मानित व्यक्ति से मिलने का मौका मिल सकता है।

सिंह राशि: आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज घर के बड़ों की मदद से आपके जरूरी कार्य पूरे हो सकते हैं। किसी रिश्तेदार से आपको कोई अच्छी खुशखबरी मिलेगी। जीवनसाथी आज आपकी हर बात समझने की कोशिश करेंगे, इससे रिश्ते में नयापन आयेगा। पिता बच्चों की इच्छाएं पूरी करने की कोशिश करेंगे।

कन्या राशि: आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आज के दिन आपको इच्छित फल प्राप्त होंगे। सरकारी कार्यों में आपको बड़े लाभ की संभावना है। ऑफिस में आज आपको नया प्रोजेक्ट मिलेगा, जिसे पूरा करने में कलीग की सहायता भी प्राप्त होगी। संतान पक्ष से आपको सुख मिलेगा। पिता का आशीर्वाद आप पर बना रहेगा।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। परिवार को समय देने से घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। कार्यस्थल पर आप सकारात्मक माहौल में काम करेंगे। इस दौरान आपको अपनी वाणी में कटुता लाने से बचना चाहिए। आफिस के काम को आज आप जल्द पूरा कर लेंगे।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आज परिवार के साथ घर पर मूवी देखने की प्लानिंग करेंगे। कार्यों में किसी अन्य व्यक्ति की दखल अंदाजी से आपको उलझन महसूस होगी। सेहत के लिहाज से आप खुद को तंदुरुस्त महसूस करेंगे। मार्केटिंग से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिये अच्छा रहने वाला है। आज आप कुछ बड़ा और अलग काम करने की सोच सकते है। संतान के साथ मिलाकर घर के कार्यों को पूरा करेंगे। शाम को दोस्तों के साथ अधिक समय बितायेंगे, उनके साथ भविष्य को लेकर विचार करेंगे। स्वास्थ्य के लिहाज से आज आप अच्छा महसूस करेंगे।

मकर राशि: आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आज आपको जरूरत से ज्यादा सोचने से बचना चाहिए। आज आपका सोशल नेटवर्क मजबूत बनेगा। संतान पक्ष से कोई खास खुशखबरी मिलेगी, घर में सभी लोग खुश होंगे। आपको अपनी वाणी पर संयम बनाये रखना चाहिए। किसी बात को लेकर ज्यादा जिद्द करने से आज आपको बचना चाहिए।

कुंभ राशि: आज आपका दिन शानदार रहेगा। मेडिकल स्टोर वालों को आज उम्मीद से ज्यादा धन लाभ होगा। परिवार के सामने आपको अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा, आपकी योजना से लोग काफी प्रभावित होंगे। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत बनेगा। विरोधी पक्ष आपके सामने नतमस्तक होगा।

मीन राशि: आज आपका दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। आज आपको पुरानी बातों में उलझने से बचना चाहिए। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करने से कुछ लोग आपका विरोध कर सकते हैं, आपको अपने गुस्से पर नियंत्रण रखना चाहिए। निवेश के मामलें में आपको घर के बड़ों से कोई नई सलाह मिलेगी। काम की जगह बदलने से आपकी ऊर्जा में बदलाव आएगा।

स्वास्थ्य सेवाओं के नए युग की ओर बढ़ता मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला

मनोज कुमार सिंह,

किसी भी क्षेत्र के समग्र विकास का वास्तविक आधार वहां के नागरिकों का बेहतर स्वास्थ्य होता है। स्वस्थ नागरिक ही सशक्त समाज और समृद्ध भविष्य का निर्माण करते हैं। इसी सोच को साकार करने की दिशा में छत्तीसगढ़ का मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में विकास की नई इबारत लिख रहा है। कभी बेहतर उपचार और आधुनिक जांच सुविधाओं के लिए बड़े शहरों पर निर्भर रहने वाले इस क्षेत्र में अब मेडिकल कॉलेज, आधुनिक अस्पताल, डायलिसिस केंद्र, सीटी स्कैन, अटल आरोग्य लैब तथा नवीन स्वास्थ्य संस्थानों के माध्यम से चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के विशेष प्रयासों और राज्य शासन की प्रतिबद्धता से जिले में स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत बनाने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण पहल हुई हैं। इन प्रयासों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि स्वास्थ्य सुविधाओं का विकास केवल जिला मुख्यालय या शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि खड़गवां, जनकपुर, जरौंधा और कोरिया कॉलरी जैसे ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। संचालित स्वास्थ्य संस्थानों, निर्माणाधीन परियोजनाओं और प्रस्तावित योजनाओं का यह समन्वय आने वाले समय में जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की क्षमता रखता है। स्वास्थ्य सेवाओं के नए युग की ओर बढ़ता मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला 'मेडिकल कॉलेज की शुरुआत: चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि' मनेन्द्रगढ़ में 50 सीटों वाले मेडिकल कॉलेज का प्रवेश सत्र प्रारंभ होना जिले के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह केवल एक शैक्षणिक संस्थान की शुरुआत नहीं, बल्कि क्षेत्र में चिकित्सा शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के नए अध्याय का आरंभ है। मेडिकल कॉलेज के माध्यम से युवाओं को चिकित्सा शिक्षा के अवसर प्राप्त होंगे, वहीं भविष्य में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ाने और स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुदृढ़ बनाने की संभावनाएं भी विकसित होंगी। चिकित्सा शिक्षा का विस्तार किसी भी क्षेत्र के दीर्घकालीन विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मेडिकल कॉलेज से शैक्षणिक गतिविधियों के साथ स्वास्थ्य संबंधी अनुसंधान, चिकित्सकीय प्रशिक्षण और विशेषज्ञ सेवाओं के विकास का मार्ग भी प्रशस्त होता है। मनेन्द्रगढ़ में इसकी शुरुआत से जिले को चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान मिलने की उम्मीद है। 'मेडिकल कॉलेज की शुरुआत: चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि' '220 बिस्तरीय अस्पताल से उपचार क्षमता को मिल रहा विस्तार' मनेन्द्रगढ़ में 220 बिस्तरीय अस्पताल का अस्थायी संचालन प्रारंभ होना स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे स्थानीय स्तर पर अस्पताल सेवाओं को मजबूत करने तथा अधिक मरीजों को उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने का आधार तैयार हुआ है। अस्पताल सेवाओं की क्षमता में वृद्धि का सीधा लाभ उन परिवारों को मिलेगा, जिन्हें पहले



सामान्य से लेकर गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार के लिए दूसरे शहरों की ओर जाना पड़ता था। इसी प्रकार चिरमिरी में जिला अस्पताल का अस्थायी संचालन प्रारंभ किया गया है, जबकि जिला अस्पताल के नवीन भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है। नवीन भवन के पूर्ण होने से चिकित्सा सेवाओं को अधिक व्यवस्थित स्वरूप मिलने की संभावना है। अस्पताल में बेहतर अधोसंरचना विकसित होने से मरीजों को उपचार, जांच एवं अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। 'चिकित्सकों के लिए आवासीय सुविधाओं का विकास भी प्राथमिकता' किसी भी अस्पताल की सफलता केवल आधुनिक भवन और उपकरणों पर निर्भर नहीं होती, बल्कि वहां कार्यरत चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की उपलब्धता भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए चिरमिरी में डॉक्टर कॉलोनी तथा ट्रांजिट हॉस्टल का निर्माण कराया जा रहा है। इन निर्माणाधीन सुविधाओं के पूर्ण होने से चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों के लिए आवासीय व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। विशेष रूप से दूरस्थ क्षेत्रों में पदस्थ चिकित्सकीय अमले के लिए आवास की उपलब्धता स्वास्थ्य सेवाओं के निरंतर एवं प्रभावी संचालन में सहायक सिद्ध हो सकती है। इस प्रकार स्वास्थ्य अधोसंरचना के साथ मानव संसाधन की आवश्यकताओं को भी ध्यान में रखा जा रहा है। 'आधुनिक सीटी स्कैन सुविधा से जांच के लिए बड़े शहरों पर निर्भरता होगी कम' चिरमिरी जिला अस्पताल में सीटी स्कैन कक्ष एवं मशीन का संचालन प्रारंभ होना जिले के नागरिकों के लिए बड़ी उपलब्धि है। लगभग 8 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित आधुनिक सीटी स्कैन सुविधा ने स्थानीय स्तर पर उन्नत चिकित्सकीय जांच का नया विकल्प उपलब्ध कराया है। दुर्घटनाओं, सिर की चोट, आंतरिक बीमारियों एवं अन्य जटिल स्वास्थ्य समस्याओं में सीटी स्कैन जांच का विशेष महत्व होता है। पहले ऐसी जांच के लिए मरीजों को बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था, जिससे समय के साथ आर्थिक व्यय भी बढ़ता था। स्थानीय स्तर पर यह सुविधा उपलब्ध होने से मरीजों को समय पर जांच कराने में सहायता मिलेगी और चिकित्सकों के लिए उपचार संबंधी निर्णय लेना अधिक सुविधाजनक होगा। 'डायलिसिस केंद्रों से किडनी रोगियों को राहत' मनेन्द्रगढ़ एवं चिरमिरी में डायलिसिस केंद्रों का संचालन प्रारंभ होना जिले में गंभीर बीमारियों के उपचार संबंधी सुविधाओं के विस्तार का महत्वपूर्ण उदाहरण है। किडनी संबंधी गंभीर समस्याओं से पीड़ित अनेक मरीजों को नियमित अंतराल पर डायलिसिस की आवश्यकता होती है। ऐसी स्थिति में बार-बार दूरस्थ शहरों की यात्रा मरीजों और उनके परिवारों के लिए शारीरिक, मानसिक तथा आर्थिक चुनौती बन जाती है। दोनों स्थानों पर डायलिसिस सुविधाओं की उपलब्धता से मरीजों को स्थानीय स्तर पर उपचार प्राप्त करने का अवसर मिल रहा है। इससे यात्रा संबंधी कठिनाइयों में कमी आने के साथ उपचार की निरंतरता बनाए रखने में भी सहायता मिलेगी। यह पहल जरूरतमंद मरीजों के जीवन को अधिक सहज बनाने की दिशा में सार्थक प्रयास है। 'अटल आरोग्य लैब से जांच सुविधाओं को नई मजबूती' आधुनिक स्वास्थ्य व्यवस्था में बीमारी की समय पर पहचान और सटीक जांच अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से मनेन्द्रगढ़ एवं चिरमिरी में अटल आरोग्य लैब का संचालन प्रारंभ किया गया है। इन प्रयोगशालाओं के माध्यम से स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य जांच सुविधाओं की उपलब्धता बढ़ रही है। इसके साथ ही मनेन्द्रगढ़ और चिरमिरी में ब्लड कलेक्शन की व्यवस्था भी जांच सेवाओं को सुलभ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। जांच सुविधाओं का विस्तार होने से मरीजों को आवश्यक परीक्षण कराने में सुविधा मिलेगी और चिकित्सकों को समय पर उपचार प्रारंभ करने में सहायता होगी। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए नजदीक जांच सुविधाएं उपलब्ध होना बड़ी राहत का माध्यम बन सकता है। 'जनकपुर का 100 बिस्तरीय अस्पताल: वनांचल में स्वास्थ्य सेवाओं का मजबूत आधार' मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले का बड़ा हिस्सा ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों में स्थित है। ऐसे क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना स्वास्थ्य व्यवस्था की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसी दिशा में जनकपुर स्थित 100 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का संचालन प्रारंभ होना भरतपुर विकासखंड के नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस स्वास्थ्य संस्थान से जनकपुर एवं आसपास के दूरस्थ गांवों में रहने वाले नागरिकों को स्थानीय स्तर पर बेहतर उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने का आधार मजबूत हुआ है। विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और जरूरतमंद मरीजों के लिए नजदीकी अस्पताल सेवाओं की उपलब्धता स्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। 'खड़गवां, जरौंधा और कोरिया कॉलरी में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार' जिले में ग्रामीण स्वास्थ्य अधोसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं। खड़गवां में स्वास्थ्य भवन का निर्माण पूर्ण हो चुका है। वहीं कोरिया कॉलरी में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का अस्थायी संचालन तथा खड़गवां विकासखंड के जरौंधा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की शुरुआत ग्रामीण नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच बढ़ाने की दिशा में सार्थक पहल है। ग्रामीण स्वास्थ्य संस्थान सामान्य बीमारियों के उपचार, प्राथमिक चिकित्सकीय परामर्श, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन संस्थानों के माध्यम से नागरिकों को अपने निवास क्षेत्र के नजदीक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। 'फिजियोथेरेपी सेवाओं के विस्तार से पुनर्वास उपचार को मिलेगा बढ़ावा' स्वास्थ्य सेवाओं का उद्देश्य केवल बीमारियों का उपचार करना नहीं, बल्कि मरीजों को स्वस्थ एवं सामान्य जीवन की ओर वापस लाने में सहायता करना भी है। इसी दृष्टिकोण से जिले में फिजियोथेरेपी सुविधाओं के विकास पर ध्यान दिया जा रहा है। चिरमिरी में फिजियोथेरेपी कक्ष का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इसके पूर्ण होने तथा सेवाएं प्रारंभ होने से हड्डी एवं जोड़ों के दर्द, मांसपेशियों की समस्याओं, चोट के बाद पुनर्वास तथा अन्य शारीरिक समस्याओं से पीड़ित मरीजों को लाभ मिलने की संभावना है। विशेष रूप से बुजुर्गों और नियमित फिजियोथेरेपी की आवश्यकता वाले मरीजों के लिए स्थानीय स्तर पर यह सुविधा उपयोगी सिद्ध होगी। 'खड़गवां में प्रस्तावित 100 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से भविष्य की जरूरतों की तैयारी' जिले में बढ़ती आबादी और भविष्य की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए खड़गवां में 100 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विकसित करने की आगामी योजना भी महत्वपूर्ण है। इस प्रस्तावित परियोजना से क्षेत्र में अस्पताल सेवाओं की क्षमता बढ़ाने तथा ग्रामीण नागरिकों को बेहतर उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में नई संभावनाएं विकसित होंगी। योजना के क्रियान्वयन से खड़गवां एवं आसपास के क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाओं को और अधिक मजबूत आधार मिलेगा। यह पहल स्वास्थ्य सेवाओं के विकेंद्रीकरण और ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में दूरगामी महत्व रखती है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, सोमवार 26 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

50 छोटे बिज़नेस आइडिया जो आप घर से शुरू कर सकते हैं





अगर ग्लोबल महामारी ने बिज़नेस को कुछ सिखाया है, तो वो ये है कि हम घर से काम करने और आने-जाने के बीच बैलेंस बना सकते हैं। बदले में इसने कई ऑस्ट्रेलियाई लोगों को समय का तोहफ़ा दिया है। घर से काम करने में भारी बढ़ोतरी का मतलब है कि अब वर्क-लाइफ़ बैलेंस के लिए बहुत ज़्यादा फ़्लेक्सिबिलिटी है, जिससे वर्कर अपने परिवार के साथ ज़्यादा समय बिता पाते हैं, अपने शौक पूरे कर पाते हैं, या साइड हसल बनाने जैसे दूसरे काम कर पाते हैं। और, ऐसा लगता है कि साइड हसल खास तौर पर पॉपुलर हो रहा है। असल में, हाल ही में हुई ड्वह्व रिसर्च के मुताबिक, लगभग आधे (48 प्रतिशत) ऑस्ट्रेलियाई लोगों के पास कोई साइड हसल है या वे इसे शुरू करने का प्लान बना रहे हैं। इसी तरह, कई ऑफ़सि वर्कर, खासकर महिलाओं ने, महामारी के दौरान पूरी तरह से वर्कफ़ोर्स छोड़ने के बारे में सोचा है। इसलिए, जब कई लोग कोई नया वेंचर, बिज़नेस आइडिया, या साइड हसल ढूंढ रहे हैं, तो घर (WFH) आपको एक नया छोटा बिज़नेस लॉन्च करने की प्लानिंग करने और उसे तैयार करने की फ़्लेक्सिबिलिटी देता है। आप किस तरह की सर्विस या प्रोडक्ट बेचेंगे, इस पर निर्भर करते हुए, घर से काम करने से आपको अपने घंटों पर कंट्रोल मिलता है। क्योंकि 40ब ऑस्ट्रेलियाई वर्कर रिमोट वर्किंग के आदी हो गए हैं, ऐसा लगता है कि यह फ्लेक्सिबिलिटी बनी रहेगी। इसका मतलब है, आप न केवल ट्रैवल कॉस्ट और ऑफिस रेंट बचाएंगे, बल्कि आप वर्क-लाइफ में भी बेहतर तालमेल बिठा पाएंगे। अपने घर बैठे आराम से अपना खुद का बिज़नेस शुरू करने से आपको अपने ऑप्शन और प्लान के बारे में सोचने का समय मिलता है। हो सकता है कि आप एंटरप्रेन्योरशिप ढूंढ रहे हों और एक सफल स्टार्ट-अप बनने का सपना देख रहे हों? आप जो भी चुनें, पक्का करें कि आप उसके लिए पैशनेट हों और आपके पास इसे हकीकत बनाने के लिए काफी रिसोर्स हों। आइडिया ढूंढने में मुश्किल हो रही है या इंस्पिरेशन का इंतज़ार कर रहे हैं? हमने घर पर शुरू किए जा सकने वाले टॉप 50 छोटे बिज़नेस की एक आसान लिस्ट बनाई है।

मीडिया और मार्केटिंग

1. ब्लॉगिंग अगर आप किसी चीज़ के लिए पैशनेट हैं और शब्दों के साथ अच्छे हैं, तो ब्लॉगिंग आपके लिए बड़ा ब्रेक हो सकता है। आप या तो शुरू से अपनी वेबसाइट बना सकते हैं या अपने लिए मेहनत करने के लिए वेबसाइट बिल्डर का इस्तेमाल कर सकते हैं - ज़रूरी बात यह है कि आप अपना नीश पता करें। ब्लॉगिंग से आपको रातों-रात सफलता मिलने की उम्मीद कम है, लेकिन अगर आप सही टूल्स और सर्च इंजन ऑप्टिमाइज़ेशन (SEO) टैक्टिक्स इस्तेमाल करते हैं, तो आप अच्छी इनकम करना शुरू कर सकते हैं। इंडस्ट्री के कुछ सबसे ज़्यादा मुनाफ़े वाले ब्लॉगर साल में 50k तक कमाते हैं - यह आपके पसंदीदा काम के लिए एक अच्छी इनकम है।
2. फ्रीलांस राइटर चाहे आप इसे पार्ट-टाइम करें या फुल-टाइम, फ्रीलांस राइटर होने से आपको फ्लेक्सिबल वर्क अरेंजमेंट की सुविधा मिलती है। आप या तो किसी रिक्रूटमेंट एजेंसी के साथ काम करके काम पा सकते हैं या pwork और Copify जैसी जॉब साइट्स पर खुद काम कर सकते हैं। यह जानना ज़रूरी है कि आपका नीश क्या है और आप BwB मार्केटिंग कॉपी लिखेंगे या कंटेंट मार्केटिंग कॉपी। अगर आप अकेले काम करते हैं, तो अपने आस-पास एक ब्रांड बनाना और अपनी प्रोफ़ाइल को दूसरे कॉपीराइटिंग फ्रीलांसरों से अलग दिखाना ज़रूरी है। कनेक्शन बनाना और एक बढ़िया पोर्टफोलियो किसी भी बेहतरीन राइटिंग करियर की नींव है। कॉपी और कंटेंट राइटिंग की हमेशा बहुत डिमांड रहती है, और जैसे-जैसे आप अनुभव हासिल करेंगे, आप एक भरोसेमंद क्लाइंट बेस बनाना शुरू कर देंगे।
3. पॉडकास्टिंग अगर आपका पहले से कोई बिज़नेस या ब्लॉग है, तो पॉडकास्ट बनाना आपकी साइट पर ज़्यादा ट्रैक्शन पाने का एक आसान तरीका है। हालाँकि आप पॉडकास्टिंग को अकेले भी कर सकते हैं, लेकिन अगर आप इसे किसी ऐसी चीज़ के साथ जोड़ते हैं जो आप पहले से करते हैं, तो आप ज़्यादा फ़ायदेमंद और सफल होंगे। अगर आपकी आवाज़ पहले से ही लोगों तक पहुँच चुकी है, तो पॉडकास्टिंग आपको अपने नीश में कॉम्पिटिटर पर सच में बढ़त दिला सकती है।
4. सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अगर आपके सोशल मीडिया चैनल पर पहले से ही बड़ी संख्या में फ़ॉलोअर्स हैं, तो इसका ज़्यादा से ज़्यादा फ़ायदा उठाने का समय आ गया है। इंस्टाग्राम और टिकटॉक, नए इन्फ्लुएंसर के लिए दो सबसे पॉपुलर प्लेटफ़ॉर्म हैं; ये वे लोग हैं जो अपने सोशल मीडिया पर प्रोडक्ट या किसी ब्रांड को प्रमोट करते हैं। इन्फ्लुएंसर अक्सर एफिलिएट मार्केटिंग से सबसे ज़्यादा पैसा कमाते हैं, इसलिए उन ब्रांड से जुड़ने की कोशिश करें जो आपके नीश में अच्छी तरह से फिट हों और उनके साथ कोलेबोरेट करें।
5. यूट्यूबर YouTube सही नीश में आने और काम का और दिलचस्प कंटेंट बनाने की काबिलियत रखने के लिए एक शानदार बिज़नेस मौका है। एक बार जब आपके सब्सक्राइबर बढ़ने लगेंगे, तो आप अपनी ऑडियंस से पैसे कमा पाएँगे और अपने चैनल पर ऐड और किसी भी एफिलिएट मार्केटिंग से एक्स्ट्रा पैसे कमा पाएँगे।
6. फ़ोटोग्राफ़र चाहे आप इसे कंटेंट मार्केटिंग गिग के हिस्से के तौर पर करें या अपना खुद का बिज़नेस शुरू करें, फ़ोटोग्राफ़र बनना पैसे कमाने और अपनी क्रिएटिविटी को एक्सप्लोर करने का एक आसान तरीका है। एक वेबसाइट बनाकर, अपना पोर्टफ़ोलियो बनाकर और अपनी सर्विस दिखाने के लिए एक स्टेबल क्लाइंट बेस बनाकर शुरू करें।
7. डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर अगर आपको SEO, एडवरटाइज़िंग और BwB/BwC की बहुत अच्छी जानकारी है, तो डिजिटल मार्केटिंग में करियर आपके लिए एकदम सही है। आप या तो कंपनियों और रिक्रूटमेंट एजेंसियों को अपनी सर्विस फ्रीलांस कर सकते हैं या अपना खुद का बिज़नेस शुरू कर सकते हैं जहाँ आप खुद काम करते हैं।
8. घोस्टराइटर अगर आप अपने खाली समय में एक्स्ट्रा पैसे कमाना चाहते हैं, तो घोस्टराइटिंग एक अच्छा तरीका है, अगर आप एडिटिंग, राइटिंग और ग्रामर में माहिर हैं। आपको अपने क्लाइंट्स के विज़न को भी समझना होगा और उसे कागज़ पर असलियत में बदलना होगा, इसलिए अपना पोर्टफोलियो बनाकर और कुछ रेफरेंस लेकर शुरुआत करें।
9. रिज़्यूमे राइटर लिखने का एक और आसान तरीका रिज़्यूमे राइटर बनना है। रिज़्यूमे राइटर की हमेशा डिमांड रहती है और अगर आपके पास काफी एक्सपीरियंस और अच्छे रेफरेंस हैं तो आप अच्छी कमाई कर सकते हैं।
10. फ्रीलांस PPC कंसल्टेंट SEO एक्सपर्ट की तरह, फ्रीलांस PPC कंसल्टेंट के पास PPC कैंपेन के लिए मार्केटिंग और ऐड्स को ऑप्टिमाइज़ करने का हुनर होगा। अगर आपका पहले से ही एडवरटाइजिंग में बैकग्राउंड है, तो इस रोल में आना आसान होगा, लेकिन अपनी नॉलेज बढ़ाने के लिए कई ऑनलाइन कोर्स भी अवेलेबल हैं।
11. एक ई-बुक पब्लिश करें किताब लिखना अब सिर्फ़ बड़े लेखकों के लिए नहीं रहा - ई-बुक के आने से लिखने का शौक रखने वाला कोई भी व्यक्ति अब अपनी नॉवेल लिख सकता है। अपना नाम फैलाना इतना आसान कभी नहीं रहा, और यह कुछ ऐसा है जो आप अपनी पसंदीदा कॉफ़ी शॉप में या अपने घर से कर सकते हैं। अपनी किताब को लोगों तक पहुँचाने के लिए, आप या तो यह काम करने के लिए मार्केटर हायर कर सकते हैं, या आप एक तय कीमत पर Amazon की एडवरटाइजिंग सर्विस का इस्तेमाल कर सकते हैं।
12. ट्रांसक्रिप्शन सर्विस अगर आप तेज़ी से पढ़ते हैं और प्रूफ़गि में माहिर हैं, तो ट्रांसक्रिप्शन सर्विस देना एक्स्ट्रा इनकम कमाने का एक आसान तरीका है। आप क्लाइंट्स को अपना काम फ्रीलांस कर सकते हैं और पॉडकास्ट और रेडियो इंटरव्यू को ट्रांसक्राइब करने सहित कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर सकते हैं।
13. प्रूफ़रीडर यह एक काफ़ी आसान मार्केट है, प्रूफ़रीडर की ज़रूरत होती है ताकि यह पक्का हो सके कि कॉपी कम शब्दों में और बिना किसी ग्रामर की गलती या स्पेलिंग की गलती के लिखी गई है। अगर आप हमेशा अपने दोस्त की ग्रामर की गलतियाँ निकालते रहते हैं, तो प्रूफ़रीडर बनना आपके लिए अच्छा ऑप्शन हो सकता है।
14. बिड राइटर बिड राइटर की डिमांड पहले से कहीं ज़्यादा है, और ज़्यादा से ज़्यादा कंपनियाँ परमानेंट एम्प्लॉई को हायर करने के बजाय फ्रीलांसर को हायर करना चाहती हैं। आपको PQQ और टेंडर में एक्सपीरियंस होना चाहिए, लेकिन अगर आपको अपनी स्किल्स को बेहतर करने की ज़रूरत है, तो आप हमेशा ऑनलाइन कोर्स कर सकते हैं।
15. BwB एजेंसी/स्टार्टअप अगर आपमें एंटरप्रेन्योर बनने की भावना है और बढ़िया बिज़नेस आइडिया हैं, तो आप भविष्य में स्टार्ट-अप या BwB एजेंसी चला सकते हैं। इस रास्ते में दूसरों के मुकाबले ज़्यादा सब्र और समय लगता है, लेकिन अगर आपके पास एक सॉलिड बिज़नेस प्लान है और आप अपने स्टार्ट-अप का खर्च उठा सकते हैं, तो यह सच हो सकता है। चाहे आप छोटे बिज़नेस ओनर्स की टीम के हिस्से के तौर पर काम करें या अकेले काम करें, अपनी खासियत जानने की कोशिश करें और स्पेशलाइज़ करें ङ्क मार्केट एजेंसी की दुनिया के बड़े नामों से भरा हुआ है, इसलिए स्पेशलाइज़ करने से कुछ कॉम्पिटिशन कम हो जाता है।
16. वर्चुअल कॉल सेंटर एजेंट अगर आप रिमोटली काम करना चाहते हैं, तो वर्चुअल कॉल सेंटर एजेंट का रोल आपके बिज़नेस का अगला हिस्सा हो सकता है। स्टूडेंट्स या जो लोग काम के साथ दूसरे कमिटमेंट्स को मैनेज करना चाहते हैं, उनके लिए यह एकदम सही है, कॉल सेंटर एजेंट्स की हमेशा बहुत डिमांड रहती है और उन्हें रिक्रूटमेंट एजेंसियों में आसानी से काम मिल जाता है।
17. SEO एक्सपर्ट मार्केटिंग और बिज़नेस की दुनिया में SEO बहुत पॉपुलर है, इसलिए अगर आपके पास एक्सपीरियंस है, तो इसका ज़्यादा से ज़्यादा फ़ायदा उठाना समझदारी है। आप अपनी सर्विसेज़ को फ्रीलांस करके या अपना खुद का बिज़नेस बनाकर शुरू कर सकते हैं ङ्क एक्सपीरियंस्ड प्रोफेशनल्स साल में 81,000 तक कमा सकते हैं।
18. ऑनलाइन बुककीपिंग अगर आपको नंबर्स और अकाउंटेंसी का शौक है, तो बुककीपर के तौर पर करियर आपके लिए ही हो सकता है। आपको फाइनेंस में एक्सपीरियंस होना चाहिए क्योंकि आप कंपनी के लेजर और ट्रांज़ैक्शन को देखेंगे, लेकिन जो लोग और सीखना चाहते हैं उनके लिए ऑनलाइन कोर्स भी अवेलेबल हैं।
19. वर्चुअल असिस्टेंट आम तौर पर सेल्फ-एम्प्लॉयड, वर्चुअल असिस्टेंट घर से छोटे बिज़नेस मालिकों या क्लाइंट्स की ज़रूरतों में मदद करते हैं। आपको आम तौर पर घंटे के हिसाब से पेमेंट किया जाएगा, लेकिन आपके पास दूर से काम करने और दूसरे कमिटमेंट्स को भी मैनेज करने की सुविधा होगी।
20. मोटिवेशनल स्पीकर अगर आपकी ज़िंदगी बदलने वाला कोई अनुभव रहा है या आपके पास बताने के लिए दिलचस्प कहानियाँ हैं, तो मोटिवेशनल स्पीकिंग आपका अगला काम हो सकता है। अपने आस-पास एक ब्रांड बनाने की कोशिश करें और मार्केट करें कि आप पोटेंशियल क्लाइंट्स के लिए क्यों फायदेमंद हैं; आपकी स्पीकिंग से क्या मिलता है, और दूसरे लोग इससे कैसे आगे बढ़ सकते हैं और सीख सकते हैं?

पर्सनल बिज़नेस और सर्विसेज़

21. ड्रॉपशिपिंग पैसिव इनकम कमाने के लिए एक अच्छा बिज़नेस, ड्रॉपशिपिंग में किसी वेंडर से प्रोडक्ट्स खरीदना और उन्हें अलग-अलग ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बेचना शामिल है (बिना उन्हें कभी हैंडल किए)। ड्रॉपशिपिंग के लिए कुछ सबसे पॉपुलर साइट्स में Amazon, eBay, Etsy, और Shopify शामिल हैं। अच्छी खबर यह है कि इस तरह की सेलिंग में कम कैपिटल की ज़रूरत होती है और इसे बढ़ाना आसान होता है। अगर आप सफल होना चाहते हैं तो आपके पास एक सॉलिड बिज़नेस मॉडल होना चाहिए।
22. ऑनलाइन क्राफ्ट सेलर अगर आपकी स्किल घर का बना सामान बनाने में है, तो आपको एक्स्ट्रा पैसे कमाने के लिए अपना सामान बेचने के बारे में सोचना चाहिए। जब तक आपके पास प्रोडक्ट मार्केटिंग स्ट्रेटेजी है और आपको पता है कि आप किस तरह का बिज़नेस चला रहे हैं, ऑनलाइन क्राफ्ट सेलर बनना बहुत फ़ायदेमंद हो सकता है। शायद आप कस्टमाइज़्ड टी-शर्ट रेंज या क्रिसमस डेकोरेशन ऑनलाइन बेचना चाहते हैं-चॉइस आपकी है।
23. मोबाइल हेयर और ब्यूटी क्या आपके पास हेयर और मेकअप का टैलेंट है? अगर हाँ, तो लोगों को अपनी सर्विस देना पैसे कमाने का एक आसान तरीका हो सकता है, साथ ही आप अपना पसंदीदा काम भी कर सकते हैं। चाहे आप नेल्स या हेयरड्रेसिंग में माहिर हों, आप या तो मोबाइल सर्विस दे सकते हैं या घर से अपना सैलून चलाने की कोशिश कर सकते हैं।
24. ऑनलाइन बेकरी महामारी के दौरान ऑनलाइन फूड डिलीवरी बहुत बढ़ गई है, और ऐसा लगता है कि यह एक ऐसा ट्रेंड है जो बना रहेगा। इसलिए, अगर आपको बेकिंग का शौक है, तो अपना स्टोर खोलने का समय आ गया है। आप अपने प्रोडक्ट्स की मार्केटिंग सोशल मीडिया पर कर सकते हैं और Deliveroo या Uber Eats पर भी जगह बना सकते हैं। सबसे अच्छा छोटा बिज़नेस हमेशा अपने कॉम्पिटिशन में सबसे आगे रहता है, इसलिए अपने मार्केट को देखें और देखें कि क्या आप अपने एरिया में खाने के शौकीनों के लिए कुछ अलग कर सकते हैं।
25. Uber ड्राइवर अगर आप पार्ट-टाइम काम ढूंढ रहे हैं, तो Uber ड्राइवर बनना आसानी से पैसे कमाने का एक शानदार तरीका है, और आप अपने काम के घंटे खुद संभाल सकते हैं। चाहे आप Deliveroo या ber Eats जैसी फूड डिलीवरी सर्विस के लिए काम करने का फ़ैसला करें या टैक्सी का काम करें, यह जॉब ऐसी फ़्लेक्सिबिलिटी देती है जो आसानी से नहीं मिलती। क्या आप खुद को एक उभरता हुआ फ़टिनेस फ़ैन मानते हैं? अगर हाँ, तो पर्सनल ट्रेनर बनने से आप एक ऐसी इंडस्ट्री में काम कर सकते हैं जो पॉपुलर है और हमेशा बदलती रहती है। आपको एक पर्सनल ट्रेनिंग लाइसेंस लेना होगा, लेकिन एक बार जब वह आपके हाथ में आ जाएगा, तो आपके पास कुछ ऑप्शन मौजूद होंगे। आप या तो YouTube पर अपना फ़टिनेस चैनल बना सकते हैं या ऑनलाइन क्लाइंट्स को अपनी सर्विस दे सकते हैं - पसंद आपकी है।
27. पर्सनल शॉपर अगर आपके पास बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल्स हैं और आप हर छोटी-बड़ी बात पर ध्यान देते हैं, तो पर्सनल शॉपिंग आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है। आपका काम क्लाइंट्स को यह सलाह देना होगा कि कौन सी चीज़ें खरीदना सबसे अच्छा है, इसलिए लेटेस्ट ट्रेंड्स से अपडेट रहना ज़रूरी है।
28. इवेंट प्लानर इवेंट प्लानर की पोज़िशन उन लोगों के लिए आइडियल है जिन्हें पार्टी और गेट-टुगेदर ऑर्गनाइज़ करना पसंद है। अगर आपको डिज़ाइन की समझ है और अपने क्लाइंट के विज़न को असलियत में बदलने की काबिलियत है, तो इवेंट प्लानिंग फायदेमंद हो सकती है।
29. रिमोट रियल एस्टेट एजेंट रिमोट रियल एस्टेट एजेंट का चलन बढ़ रहा है। अगर आपके पास बेहतरीन कम्युनिकेशन और नेगोशिएशन स्किल्स हैं, तो यह करियर आपके लिए आइडियल हो सकता है। अगर आपके पास डिग्री क्वालिफाइड है, तो आपको ब्रांच में एक्सेप्ट किए जाने की ज़्यादा संभावना है, लेकिन जो लोग एक्सपीरियंस बनाना चाहते हैं, उनके लिए ट्रेनिंग अभी भी उपलब्ध है।

नेबरहुड सर्विसेज़

नीचे दी गई सभी सर्विसेज़ को सोशल मीडिया चैनल्स पर प्रमोट किया जा सकता है, लेकिन खुद को एडवर्टाइज़ करने का सबसे पॉपुलर तरीका अपनी लोकल कम्युनिटी में है-

30. डॉग वॉकर जानवरों से प्यार करने वालों और स्टूडेंट्स के लिए आइडियल, डॉग वॉकर्स के पास कुछ मज़ेदार काम करके पैसे कमाने का लक्ज़री होता है। एक बार जब आप अपने इलाके में मशहूर हो जाते हैं, तो ज़्यादा से ज़्यादा लोग अपने कुत्तों की देखभाल के लिए आप पर भरोसा करने लगेंगे, इसलिए अपनी अच्छी रेप्युटेशन ज़रूर बनाएं।
31. पेट सिटिंग कुत्ते को घुमाने की तरह, पेट सिटिंग भी उन लोगों के लिए आइडियल है जो जानवरों से प्यार करते हैं और खासकर टीनएजर्स या बच्चों के लिए जो एक्स्ट्रा पॉकेट मनी चाहते हैं।
32. हाउस सिटिंग एक सीधी-सादी नौकरी, हाउस सिटिंग आपको बस घर की देखभाल करने और यह पक्का करने के लिए पैसे देती है कि सब कुछ ठीक-ठाक है।
33. लॉन्ड्री सर्विस क्या आपको कभी लॉन्ड्री जाना पड़ा है? कभी-कभी कीमतें बहुत ज़्यादा हो सकती हैं, इसलिए अपने आस-पड़ोस के लोगों को डिस्काउंट वाली लॉन्ड्री सर्विस देने से कुछ फ़ायदा हो सकता है।
34. क्लीनिंग सर्विस अगर आप क्लीनिंग में माहिर हैं, तो क्यों न आप अपने आस-पड़ोस के लोगों को अपनी सर्विस दें? बस यह पक्का कर लें कि आप जिन लोगों को सर्विस दे रहे हैं, उनके घर में कदम रखने से पहले उनकी जांच-पड़ताल कर लें, ताकि आप अपनी सुरक्षा और सेहत का ध्यान रख सकें।
35. डेकेयर अगर आपको बच्चों की देखभाल का अनुभव है, तो घर से अपना डेकेयर खोलना पैसे कमाने का एक शानदार तरीका है। आपको बच्चों के साथ एक नैचुरल कनेक्शन और सब्र की ज़रूरत होगी, लेकिन समय के साथ यह एक पूरा बिज़नेस बन सकता है।
36. बेबीसिटिंग कॉलेज स्टूडेंट्स या जो लोग एक्स्ट्रा पैसे कमाना चाहते हैं, उनके लिए यह एकदम सही है, बेबीसिटिंग आपको फ्लेक्सिबिलिटी और अपने काम के घंटों पर कंट्रोल देती है। यहाँ वर्ड ऑफ़ माउथ बहुत ज़रूरी है, इसलिए पक्का करें कि आप कमिटेड हैं और माता-पिता की बात मानें ङ्क इस तरह, आपको और भी ज़्यादा क्लाइंट मिलेंगे।
37. लैंडस्केपिंग अगर आपको बागवानी का नैचुरल शौक है, तो लैंडस्केपिंग एक्स्ट्रा पैसे कमाने का एक शानदार तरीका हो सकता है।
38. हैंडीमैन क्या आपको पुराने गैजेट्स, कारें और भी बहुत कुछ ठीक करने का हुनर है? अगर हाँ, तो आपको अपने पड़ोस में हैंडीमैन के तौर पर अपनी सर्विस देने के बारे में सोचना चाहिए।
39. फूड ट्रक अगर आप खाना बनाने में टैलेंटेड हैं, तो अपना फूड ट्रक खोलने के बारे में सोचें। पक्का करें कि आप पहले अपने एरिया में घूम-फिर लें ताकि आप लेटेस्ट फूड ट्रेंड्स और कुछ भी नया देख सकें जो आप ला सकते हैं।
40. केटरिंग सर्विसेज फूड ट्रक खोलने की तरह, केटरिंग सर्विसेज़ के लिए भी थोड़ा ज़्यादा बिज़नेस प्लान चाहिए होता है, और इसे असलियत में बदलने के लिए आपको एक टीम की ज़रूरत होगी। अगर आपके पास रिसोर्स और केटरर मौजूद हैं, तो यह शुरू करने के लिए बहुत फ़ायदेमंद बिज़नेस हो सकता है।
41. वैन वाला आदमी (डिलीवरी सर्विस) अगर आपके पास एक वैन है जिसका आप अक्सर इस्तेमाल नहीं करते हैं, तो उसका ज़्यादा से ज़्यादा फ़ायदा उठाएँ ङ्क अपने लोकल एरिया में डिलीवरी और रिमूवल सर्विसेज़ का ऐड करें ताकि आप कुछ एक्स्ट्रा कैश कमाना शुरू कर सकें।
42. टूर गाइड अगर आप किसी पॉपुलर टूरिस्ट डेस्टिनेशन पर हैं तो यह आइडियल है, टूर गाइड होने से आपको अपने घंटे चुनने और अपने लोकल एरिया के हॉटस्पॉट और इतिहास के बारे में दिल खोलकर बताने की फ़्लेक्सिबिलिटी मिलती है।
43. खाली कमरा किराए पर देना पैसिव इनकम करने का एक आसान तरीका है कि अगर आपके पास खाली कमरा है, तो उसे किराए पर देने के बारे में सोचें।
44. Airbnb अगर आप दो या उससे ज़्यादा प्रॉपर्टी के मालिक हैं, तो टूरिस्ट या ट्रैवलर के लिए Airbnb पर प्रॉपर्टी डालना पैसिव इनकम कमाने का एक आसान तरीका है। हालांकि, पॉपुलर होने के लिए आपको अपनी Airbnb प्रोफ़ाइल पर नज़र रखनी होगी। सुपरहोस्ट के पास रेगुलर एडवरटाइज़र की तुलना में ज़्यादा कमाई करने की क्षमता होती है। प्रॉपर्टी को एकदम साफ़-सुथरा लिस्ट करके मुनाफ़े की संभावना बढ़ाएँ और हमेशा अपने मेहमानों के लिए ज़्यादा कोशिश करें।

एजुकेशनल सर्विस और ऑनलाइन लर्निंग

45. ऑनलाइन ट्यूटर चाहे आप कॉलेज स्टूडेंट हों या डिग्री लेवल तक पढ़े-लिखे हों, अपनी जानकारी का ज़्यादा से ज़्यादा इस्तेमाल करें और ऑनलाइन ट्यूटर बनें। क्लाइंट को डिस्टेंस लर्निंग देने के लिए अपने सब्जेक्ट की जानकारी का इस्तेमाल करें, और अपनी पॉपुलैरिटी बढ़ाने के लिए रेफरल भी बढ़ाएँ।
46. एजुकेशनल कोर्स क्रिएटर महामारी के दौरान ऑनलाइन कोर्स की पॉपुलैरिटी बहुत बढ़ गई है, और ऐसा लगता है कि यह बनी रहेगी। अगर आप किसी खास सब्जेक्ट या एरिया में स्किल्ड हैं, तो ऑनलाइन पेड कोर्स के ज़रिए अपनी एक्सपर्टीज़ दिखाएँ। काफ़ी एक्सपीरियंस और पॉपुलर रेटिंग के साथ, आप देख सकते हैं कि आपका कोर्स क्रिएशन एक फुल-टाइम, सफल बिज़नेस बन सकता है।
47. लैंग्वेज और ट्रांसलेशन सर्विसेज़ अगर आप बाइलिंगुअल हैं, तो ऑनलाइन लैंग्वेज और ट्रांसलेशन सर्विसेज़ देना पैसे कमाने का एक आसान तरीका है।

टेक्नोलॉजी

48. ऐप डेवलपर अगर आप कंप्यूटर और गैजेट्स में माहिर हैं, तो ऐप डेवलपर बनना एक फायदेमंद और रोमांचक जॉब का मौका हो सकता है। आपको कुछ टेक नॉलेज की ज़रूरत होगी, लेकिन अपने कोड को एक फुल-फ्लेज्ड ऐप में बदलते देखना आपको इंस्पायर करेगा और इससे अच्छी इनकम हो सकती है।
49. फ्रीलांस ग्राफिक डिज़ाइनर टेक के लिए अपने प्यार को डिज़ाइन के पैशन के साथ मिलाएँ, और आप जल्द ही एक फ्रीलांस ग्राफिक डिज़ाइनर बन सकते हैं। आपके रोज़ के काम मैगज़ीन और एडवर्टाइज़मेंट के लेआउट और कॉन्सेप्ट को डिज़ाइन करने के आस-पास घूमेंगे, इसलिए क्रिएटिविटी और डिटेल पर नज़र रखना ज़रूरी है।
50. वेब डेवलपर अगर आपमें कोडिंग और प्रोग्रामिंग लैंग्वेज का टैलेंट है, तो वेब डेवलपर का रोल एक अच्छा करियर हो सकता है ङ्क सीनियर डेवलपर्स साल में लगभग 50 लाख कमा सकते हैं।

एक बिज़नेस चेकलिस्ट शुरू करें

चाहे आप अकेले काम करते हों या पार्टनरशिप करने का सपना देखते हों, यह ज़रूरी है कि आप अपना काम एक बिज़नेस चेकलिस्ट के साथ शुरू करें। बिज़नेस प्लान की तरह, एक चेकलिस्ट आपके ऑनलाइन बिज़नेस आइडिया के लिए रोडमैप तय करेगी, जिसमें इन बातों का ध्यान रखा जाएगाः

- ज़रूरी रिसोर्स
- फाइनेंशियल कॉस्ट
- टाइम
- बिज़नेस स्ट्रक्चर
- ताकत और कमज़ोरी
- USPs
- बेस्ट बिज़नेस आइडिया

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, सोमवार 26 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

नहीं थम रहा फ्रांस का आक्रोश, 4 लाख प्रदर्शनकारी सड़क पर उतरे

सरकार ने अब 1,000 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया

पेरिस। फ्रांस के प्रमुख शहरों में बढ़ती महंगाई, शिक्षा बजट में कटौती और सरकारी नीतियों के खिलाफ भड़का जनआक्रोश अब बेकाबू होता जा रहा है। देशव्यापी बड़े विरोध प्रदर्शनों के दौरान पुलिस और उग्र प्रदर्शनकारियों के बीच हुई भीषण हिंसक झड़पों के बाद सुरक्षा बलों ने देशभर से लगभग 1,000 लोगों को हिरासत में लिया है। गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, राजधानी पेरिस समेत अलग-अलग शहरों में 4 लाख से ज्यादा लोग सड़कों पर उतरे। हालांकि मजदूर यूनियनों का दावा है कि प्रदर्शनकारियों की वास्तविक संख्या सरकार के आंकड़ों से कहीं ज्यादा थी।



इन विरोध प्रदर्शनों के दौरान कई इलाकों में हिंसा भड़कने के बाद दंगा नियंत्रण पुलिस को पानी की बौछारें, स्टन ग्रेनेड और आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। स्थिति को नियंत्रित करने और संवेदनशील इलाकों की सुरक्षा के लिए फ्रांसीसी गृह मंत्रालय ने 70,000 से ज्यादा पुलिसकर्मियों और सुरक्षा बलों को तैनात किया। राजधानी पेरिस के पोर्ट दे विंसेन इलाके में हजारों की भीड़ जमा हुई, जहां नकाबपोश प्रदर्शनकारियों के गुटों ने पुलिस पर पटाखे, कांच की बोतलें और पत्थर फेंके। जवाब में पुलिस ने सख्त कार्रवाई की। पेरिस के अलावा लियोन, रेन्स और मार्से जैसे प्रमुख शहरों में भी प्रतिबंधों के बावजूद भारी बवाल हुआ। प्रदर्शनकारियों ने स?कों पर जगह-जगह आगजनी की और दुकानों में तोड़फोड़ की, जिससे कई गंभीर रूप से घायल हो गए। यह विशाल प्रदर्शन मजदूर यूनियनों, छात्र संगठनों और वामपंथी राजनीतिक दलों के संयुक्त मोर्चे के आह्वान पर हुआ था। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांगों में बढ़ती महंगाई से निपटने के लिए हर महीने कॉस्ट-ऑफ-लिविंग भत्ता देना, सरकारी घरों का किराया न बढ़ाना और सार्वजनिक शिक्षा बजट में तुरंत बढ़ोतरी करना शामिल है। लगातार बढ़ती महंगाई और आर्थिक तंगी से परेशान लोगों का गुस्सा सीधे तौर पर राष्ट्रपति इमानुएल मैक्रों की सरकार और प्रशासन पर निकल रहा है। बड़े पैमाने पर हुई गिरफ्तारियों के बाद फ्रांस के स्थानीय अभियोजक अवैध हथियार रखने, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और अवैध रूप से जमा होने के आरोपों में कानूनी प्रक्रिया शुरू कर रहे हैं। दर्जनों प्रदर्शनकारी फिलहाल पुलिस हिरासत में हैं। दूसरी ओर, आंदोलन के आयोजकों ने पीछे हटने से साफ इनकार कर दिया है और आने वाले दिनों में देशव्यापी हड़ताल को और तेज करने का ऐलान किया है, जिससे मैक्रों सरकार के सामने कानून-व्यवस्था बनाए रखने की गंभीर चुनौती खड़ी हो गई है।



टोरंटो में हाउलोवीन बेंटले नाम की स्पर्धा में अपने कुत्तों के साथ भाग लेते हुए उनके मालिक। ये स्पर्धा इनके कॉस्टयूम की होती है।

ओबामा ने ट्रंप प्रशासन पर साधा तीखा निशाना

ईरान युद्ध से लेकर व्हाइट हाउस की साज-सज्जा तक पर घेरा

वॉशिंगटन। अमेरिका में मिडटर्म चुनावों की सरगर्मी के बीच पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने डेमोक्रेटिक पार्टी के पक्ष में जोरदार मोर्चा संभाल लिया है। ओहायो में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ओबामा ने वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की नीतियों और कार्यशैली पर जमकर हमला बोला। उन्होंने बढ़ती महंगाई, ईरान के साथ युद्ध, विदेश नीति और व्हाइट हाउस में किए जा रहे बदलावों को लेकर ट्रंप को घेरा, और यहां तक कि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ पर भी व्यंग्य कसा।ओबामा ने ईरान के साथ जारी युद्ध को लेकर ट्रंप प्रशासन की रणनीति पर तीखे सवाल उठाए। उन्होंने याद दिलाया कि उनके राष्ट्रपति कार्यकाल में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने के लिए एक कूटनीतिक समझौता किया गया था, जिसे उन्होंने बड़ी सफलता बताया था। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ट्रंप प्रशासन ने जब युद्ध शुरू किया, तब दावा किया गया कि इससे ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने में मदद मिलेगी, लेकिन सात महीने बाद अमेरिकी ठिकानों और सहयोगियों पर हमले हुए, अमेरिकी सैनिकों की जान गई और मिसाइलों का भंडार घटा। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप प्रशासन ने देश को एक ऐसे अनावश्यक संघर्ष में उलझा दिया है, जिसकी भारी कीमत अमेरिकी नागरिकों को चुकानी पड़ रही है।

पूर्व राष्ट्रपति ने अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ का मज़ाक उड़ाते हुए उनकी दिखावटी जीवनशैली पर तंज कसा। ओबामा ने कहा कि देश की कमान ऐसे लोगों के हाथ में है, जो गंभीर राष्ट्रीय मुद्दों को सुलझाने के बजाय दिखावे, बयानबाजी और दूसरों को नीचा दिखाने में लगे रहते हैं। उनके मुताबिक, ऐसे रवैये का खामियाजा अंततः आम अमेरिकियों को भुगतना पड़ता है। ट्रंप के व्हाइट हाउस में कराए जा रहे नवीनीकरण पर भी ओबामा ने व्यंग्य किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति को घरों की सजावट वाले टीवी कार्यक्रम में होना चाहिए, क्योंकि व्हाइट हाउस अब ऐसा दिखने लगा है, मानो सद्दाम हुसैन ने वहां चीज़केक फैक्ट्री खोल दी हो।

चक्रवात : 125 की रफ्तार से हवा चलेंगी, 7 राज्यों में होगी भारी बारिश

नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र लगातार मजबूत होकर एक बेहद खतरनाक चक्रवाती तूफान का रूप लेने को तैयार है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए बताया कि 27 अक्टूबर तक यह गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल सकता है, जो 28 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश के तट से टकराएगा। इस दौरान 115 से 125 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी, जिसकी झोंकों की गति 140 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। तूफान के प्रभाव से ओडिशा, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, केरल और कुछ अन्य राज्यों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की आशंका है। आईएमडी के अनुसार, यह कम दबाव का क्षेत्र पश्चिम से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है और 26 अक्टूबर की सुबह तक बंगाल की खाड़ी के पूर्व-मध्य और उससे सटे पश्चिम-मध्य हिस्से के ऊपर एक चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की प्रबल संभावना है। इसके बाद, 27 अक्टूबर की सुबह तक यह पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल जाएगा। अनुमान है कि यह और अधिक तीव्र होकर बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है। मौसम विभाग ने बताया कि यह भीषण चक्रवात 28 अक्टूबर की सुबह तक आंध्र प्रदेश के तट के पास पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी तक पहुंच जाएगा।

मक्का-मदीना पर हमले के आरोपों से भड़के हुती

सना। इस्लाम के दो सबसे पवित्र शहरों मक्का अल-मुकर्रमा और मदीना अल-मुनव्वरा को निशाना बनाने के आरोपों को यमन के हुती विद्रोहियों ने सिरे से खारिज कर दिया है। सऊदी अधिकारियों द्वारा इन पवित्र क्षेत्रों में रोकी गई मिसाइलों का मलबा मिलने की बात कहे जाने के बाद, हुती आंदोलन ने इन दावों को बहुत बड़ा और संगीन झूठ करार दिया है। इस आरोप-प्रत्यारोप से यमन और सऊदी अरब के बीच पहले से तनावग्रस्त संबंध और गरमा गए हैं। सऊदी नागरिक सुरक्षा और उसके नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने दावा किया है कि यमन की ओर से पश्चिमी सऊदी अरब के यनबू और ताइफ शहरों की तरफ दागी गई दो बैलिस्टिक मिसाइलों को हवा में ही इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया गया।

सीएम बोलीं- रेप पीड़िता को 2 करोड़ का ऑफर दिया

इस्लमाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में अजरबैजान की 20 वर्षीय महिला से कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले ने एक सनसनीखेज मोड़ ले लिया है, जिसने देश की न्याय व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने सीधे तौर पर एक जज पर मुख्य आरोपी अहमद तनवीर को जमानत दिलाने के लिए रिश्वत लेने का आरोप लगाया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि पीड़िता को अपनी शिकायत वापस लेने के बदले लगभग दो करोड़ पाकिस्तानी रुपये (लगभग 70,000 अमेरिकी डॉलर) की पेशकश की गई थी। इन गंभीर आरोपों के बीच, पुलिस ने मुख्य आरोपी अहमद तनवीर को शुक्रवार को अदालत से जमानत अवधि बढ़ने के बावजूद नाटकीय ढंग से सत्र अदालत परिसर के बाहर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, अजरबैजान के बाकू की रहने वाली 20 वर्षीय यह महिला सितंबर के मध्य में व्यापारिक उद्देश्य से पाकिस्तान आई थी। 25 सितंबर को लाहौर के डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी इलाके में उसे एक कैफे में बुलाया गया, जहां से उसे एक फ्लैट में ले जाकर शराब पिलाई गई और फिर सामूहिक दुष्कर्म किया गया। इस मामले में पहले दो पुरुष आरोपियों और दो महिला सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया गया था, जबकि अहमद तनवीर जमानत पर था। मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने अहमद तनवीर की गिरफ्तारी को सही ठहराते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, कोई भी बलात्कारी या अपराधी केवल इसलिए न्याय से बच नहीं सकता कि उसके पास पैसा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आरोपी के संपन्न परिवार ने पीड़िता को आरोप वापस लेने के बदले दो करोड़ पाकिस्तानी रुपये देने की पेशकश की थी, जबकि उसका बयान दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 164 के तहत पहले ही दर्ज हो चुका था।

दुनिया का सबसे बड़ा बैटरी से चलने वाला जहाज 'चाइना ज़ोरिल्ला' सेवा में शामिल

ब्यूनस आयर्स। दुनिया के सबसे बड़े बैटरी-इलेक्ट्रिक जहाज 'चाइना ज़ोरिल्ला' ने आधिकारिक तौर पर सेवा शुरू कर दी है। ऑस्ट्रेलिया के तस्मानिया में इंकैट कंपनी द्वारा निर्मित यह जहाज दक्षिण अमेरिकी कंपनी बुकेबस के लिए संचालित होगा। इसका नाम उरुग्वे की प्रसिद्ध अभिनेत्री चाइना ज़ोरिल्ला के नाम पर रखा गया है। जहाज की लंबाई 130 मीटर और चौड़ाई 32 मीटर है। इसमें एक साथ 2,100 से अधिक यात्रियों और 225 वाहनों को ले जाने की क्षमता है। इसकी सबसे प्रमुख विशेषता इसका बैटरी आधारित संचालन है। इसमें 250 टन से अधिक वजन की बैटरियां और 40 से 43 मेगावाट-घंटे की ऊर्जा भंडारण प्रणाली लगाई गई है। यह जहाज अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स और उरुग्वे के बीच रिवर प्लेट मार्ग पर चलेगा। इसके आठ इलेक्ट्रिक वाटरजेट इंजन लगभग 25 समुद्री मील की गति प्रदान कर सकते हैं। पूरी तरह बैटरी से संचालित होने के कारण जहाज के परिचालन के दौरान प्रत्यक्ष धुआं और निकास गैसों का उत्सर्जन नहीं होता। इससे पारंपरिक ईंधन से चलने वाले जहाजों की तुलना में स्थानीय वायु प्रदूषण और परिचालन संबंधी शोर कम करने में मदद मिल सकती है।

पुलिस को धन्यवाद देते हुए बोलीं मेलोनी- प्रदर्शन ठीक पर हिंसा और अराजकता बर्दाश्त नहीं



इटली के कई शहरों में महंगाई, सैन्य विस्तार और रक्षा खर्च बढ़ाने के खिलाफ प्रदर्शन

रोम,। इटली में महंगाई, बढ़ते सैन्य खर्च और सेना के विस्तार के विरोध में शनिवार को कई शहरों में प्रदर्शन हुए। कुछ स्थानों पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच टकराव भी हुआ। इस बीच, प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस तथा सुरक्षा बलों की सराहना की। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार हमेशा सुरक्षित रहना चाहिए, लेकिन नागरिकों को अपने शहरों में सुरक्षित माहौल में रहने का अधिकार भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। मेलोनी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में पुलिसकर्मियों और सुरक्षा बलों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों ने देश के विभिन्न शहरों और सार्वजनिक स्थानों पर नागरिकों की सुरक्षा तथा शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार को बनाए रखने के लिए काम किया। कुछ लोगों की ओर से झड़प और अव्यवस्था फैलाने की कोशिशों के बावजूद उन्होंने अपनी जिम्मेदारी निभाई। प्रधानमंत्री ने गृह मंत्री माटेओ पियान्टेदोसी, प्रीफेक्ट्स, क्वेस्टर्स और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की कार्रवाई में समन्वय करने वाले अधिकारियों की भी सराहना की। हिंसा रोकने के लिए प्रभावी कदमों पर जोर मेलोनी ने कहा कि मंत्रिपरिषद की ओर से हाल ही में मंजूर किए गए कदमों का उद्देश्य हिंसा रोकने और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य को अधिक प्रभावी साधन उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा सभी के लिए जरूरी है—उन लोगों के लिए भी जो शांतिपूर्वक प्रदर्शन करना चाहते हैं, उनके लिए भी जो काम करते हैं और उनके लिए भी जो बिना किसी डर के अपने शहरों में रहना चाहते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि टकराव और हिंसा फैलाने वालों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। हालांकि, उन्होंने शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार को भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। इटली के मीडिया के अनुसार, शनिवार को कई शहरों में लोगों ने बढ़ती महंगाई, सैन्य विस्तार और रक्षा बजट में वृद्धि के खिलाफ प्रदर्शन किए। रोम में प्रदर्शनकारी दोपहर के समय पियाजा डेला रिपब्लिका से युद्ध-विरोधी मार्च के लिए निकले। शाम को शहर के केंद्र में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने पानी की बौछारों और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। बोलोग्ना में भी कुछ प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच टकराव हुआ। वहीं, ट्यूरिन में प्रदर्शनकारियों ने बढ़ते सैन्य खर्च और ईंधन की कीमतों में वृद्धि का विरोध किया। वहां भी शनिवार शाम पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं।

ब्रिटेन ने नागरिकों को तीन दिन के आपातकाल में रहने की सलाह

लंदन। ब्रिटेन सरकार ने हाल ही में अपने नागरिकों को एक अप्रत्याशित सलाह जारी कर आपातकालीन तैयारी के लिए सचेत किया है। बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों, खराब मौसम की आशंकाओं और साइबर हमलों के खतरे को देखते हुए, सरकार ने अपनी नई 'बी रेडी' मुहिम के तहत लोगों से आपात स्थिति के लिए कम से कम तीन दिन का भोजन और पर्याप्त पानी जमा रखने का आग्रह किया है। इस घोषणा का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी बड़ी आपदा या आवश्यक सेवाओं के ठप होने की स्थिति में परिवार 72 घंटे तक अपनी बुनियादी जरूरतें पूरी कर सकें। सरकार की सलाह के मुताबिक, हर व्यक्ति के लिए रोजाना लगभग 3 लीटर पानी की व्यवस्था होनी चाहिए, जिसका अर्थ है तीन दिनों के लिए 9 लीटर पानी का भंडारण। इसके अतिरिक्त, लोगों को लंबे समय तक चलने वाले डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ, कंबल, नकदी, एक प्राथमिक उपचार किट, बैटरी वाली टॉर्च और हाथ से चलने वाला एफएम रेडियो भी तैयार रखने को कहा गया है। जानकारों के अनुसार, बिजली, इंटरनेट या भुगतान सेवाओं के बाधित होने की स्थिति में ये वस्तुएं बेहद मददगार साबित हो सकती हैं। सरकार की इस चेतावनी के पीछे कई गंभीर कारण हैं।

संक्षिप्त समाचार

पश्चिम एशिया में गहराया संघर्ष- खाड़ी में जीपीएस जैमिंग से बढ़ा तनाव

तेलअवीव। पश्चिम एशिया में जंग का दायरा लगातार फैल रहा है। एक बड़े घटनाक्रम में इजरायल ने पहली बार इराक में हवाई हमले कर ईरान के लिए बने चीनी हथियारों के गोदामों को निशाना बनाया है। इजरायल का दावा है कि उसने इन हमलों में कंधे से दागी जाने वाली चीन निर्मित विमानरोधी मिसाइलों की बड़ी खेप को नष्ट कर दिया है। इराकी खुफिया सूत्रों का मानना है कि अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच का यह संघर्ष अब इराक की धरती पर लौट आया है, और अमेरिका ने इराकी प्रधानमंत्री को अपनी सैन्य मंशा से अवगत करा दिया है। क्षेत्र में यमन के हूती विद्रोहियों की ओर से खतरे लगातार बने हुए हैं। सऊदी नागरिक सुरक्षा विभाग के अनुसार, 24 अक्टूबर को देश के पश्चिमी हिस्से में दो बैलिस्टिक मिसाइलों को बीच में ही रोक लिया गया। इन मिसाइलों के टुकड़े मक्का के बाहर वादी मुगामास, जेद्दा के अल-नुज्हा, ताइफ और राबिग के इलाकों में गिरे। हालांकि, हूतियों ने पवित्र स्थलों को निशाना बनाने से इनकार किया है, लेकिन सऊदी अरब में सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। दूसरी ओर, फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य में बड़े पैमाने पर जीपीएस जैमिंग की घटनाएं सामने आई हैं। इससे कुवैत एयरवेज, कतर एयरवेज और टर्किश एयरलाइंस समेत कई वाणिज्यिक विमानों के नेविगेशन सिस्टम और उड़ान मार्ग भटक गए हैं। इन सबके बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति ईरान के खिलाफ बड़ी सैन्य कार्रवाई पर विचार कर रहे हैं। पेंटागन ने संभावित हमलों के विकल्प तैयार कर लिए हैं और अमेरिकी विमानवाहक पोतों पर बंकर-बस्टर बम लोड किए जाने की खबरें हैं। इन तमाम घटनाक्रमों ने पश्चिम एशिया की स्थिति को बेहद विस्फोटक बना दिया है।

जापान के बोनिन द्वीप समूह में 7.0 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप

टोक्यो। एशियाई देश जापान की धरती शनिवार, 24 अक्टूबर 2026 को एक बार फिर कांप उठी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, जापान की राजधानी टोक्यो से लगभग 1000 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व में स्थित बोनिन द्वीप समूह में 7.0 तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप दर्ज किया गया। यह भूकंप स्थानीय समय के अनुसार शाम 4 बजकर 9 मिनट पर आया। भूकंप का केंद्र जापान के बोनिन द्वीप समूह के पास, राजधानी टोक्यो के दक्षिण में समुद्र के भीतर स्थित था, जिसकी गहराई जमीन से लगभग 492.4 किलोमीटर थी। इतनी अधिक गहराई पर आने वाले भूकंप के प्रभाव आमतौर पर सतह पर कम महसूस होते हैं, जिससे जान-माल का बड़ा नुकसान होने की संभावना कम हो जाती है। हालांकि, भूकंप की तीव्रता 7.0 होने के कारण इस पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। अमेरिकी नेशनल वेदर सर्विस ने पुष्टि की है कि हवाई और प्रभावित क्षेत्रों के लिए सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है, जिससे यह एक बड़ी राहत की खबर है। अब तक, जापान में इस भूकंप से किसी तरह के जान-माल के नुकसान या बड़ी क्षति की कोई खबर सामने नहीं आई है। जापान, जो प्रशांत रिंग ऑफ फायर पर स्थित होने के कारण अक्सर भूकंप का अनुभव करता है, अपनी कठोर भूकंपरोधी निर्माण तकनीकों और त्वरित आपदा प्रतिक्रिया प्रणालियों के लिए जाना जाता है। ये प्रणालियां ऐसे शक्तिशाली भूकंपों के प्रभावों को कम करने में सहायक सिद्ध होती हैं। इसी दिन, चीन के चिंघाई प्रांत में भी 5.3 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। यह भूकंप पड़ोसी क्षेत्र तिब्बत में आए 7.0 तीव्रता के भीषण भूकंप के ठीक दो दिन बाद आया है, जिसमें 16 लोगों की मौत हो गई थी और 76 अन्य घायल हो गए थे। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र के मुताबिक, चिंघाई प्रांत के जदोई काउंटी में स्थानीय समय के मुताबिक शाम साढ़े चार बजे के करीब भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। इसका केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था, जो जापान के भूकंप की तुलना में काफी कम गहरा था। जापान और चीन दोनों में एक ही दिन भूकंप के झटके महसूस किए गए, लेकिन गनीमत यह रही कि जापान में आए शक्तिशाली भूकंप से कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ, और सुनामी का खतरा भी टल गया।

यूएई में 240 करोड़ की लॉटरी जीतने वाले भारतीय ने बताया, कैसे बदली उनकी जिंदगी

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) निवासी भारतीय मूल के आईटी पेशेवर अनिल कुमार बोल्ला ने 240 करोड़ की भारी-भरकम लॉटरी जीतने के बाद अपने जीवन और प्राथमिकताओं में आए बदलावों पर खुलकर बात की है। मूल रूप से तेलंगाना निवासी अनिल ने 18 अक्टूबर 2025 को यूएई लॉटरी के लकी डे ड्रॉ में 10 करोड़ दिरहम यानी करीब 240 करोड़ रुपये का यह जैकपॉट जीता था। उस समय उनकी उम्र 29 साल थी। उन्होंने कुल 12 टिकट खरीदे थे, और उनके सभी सातों नंबर विजेता नंबरों से पूरी तरह मेल खा गए थे, जिससे वह रातोंरात करोड़पति बन गए। लॉटरी जीतने के बाद अनिल ने अपनी दौलत का इस्तेमाल सबसे पहले अपने परिवार के सपनों को पूरा करने में किया। उन्होंने अपनी मां की इच्छा पूरी करते हुए उनके लिए सोने के गहने खरीदे और खेती के शौकीन अपने पिता के लिए कृषि भूमि खरीदी, ताकि वे अपनी पसंद के अनुसार जैविक खेती कर सकें। हालांकि, उन्होंने अपने पुराने पैतृक घर को बदलने के बजाय उस वैसा ही रहने दिया क्योंकि वह उनके पिता की भावनाओं से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा, उन्होंने भारत और यूएई दोनों जगह संपत्तियां खरीदी हैं और अब वे भविष्य के लिए नए कारोबार शुरू करने के अवसरों की तलाश कर रहे हैं। अनिल का मानना है कि इतनी बड़ी रकम जीतने के बाद उनके लिए असली खुशी महंगी गाड़ियों या आलीशान जीवन से कहीं ज्यादा अपने परिवार के साथ अधिक गुणवत्तापूर्ण समय बिताने की आजादी है। शुरुआती उत्साह के बाद अब वे अपने जीवन में अधिक संतुलन महसूस करते हैं।

डील नहीं होने पर ईरान पर हमला होना तय : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच गहराते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर तेहरान को कड़ी चेतावनी दी है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ईरान पर सैन्य हमला करने पर विचार कर रहा है, हालांकि इसके साथ ही दोनों देशों के बीच बड़ा समझौता होने की संभावना भी पूरी तरह खारिज नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन मुख्य सवाल यह है कि क्या वह इसकी शर्तों का ईमानदारी से पालन करेगा। वहीं, दूसरी ओर ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने अंतरिम समझौते को लेकर बातचीत टूटने के लिए सीधे तौर पर अमेरिका की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया है। ट्रंप ने संभावित सैन्य कार्रवाई पर कहा कि अमेरिका इस पर विचार कर रहा है और संभव है कि रविवार को ही कोई कड़ा कदम उठाया जाए। हालांकि, उन्होंने हमले की योजना के बारे सीधे तौर पर कुछ भी बताने से इंकार कर दिया। ट्रंप ने कहा कि ईरान के पास अमेरिका के साथ समझौता कर आगे की तबाही से बचने का पूरा विकल्प है। उन्होंने कहा कि उनका एकमात्र उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ईरान भविष्य में कभी परमाणु हथियार विकसित न कर सके। उन्होंने कहा कि वह इस समाधान को पूरी तरह स्थायी बनाना चाहते हैं, जिसके लिए दोनों ही विकल्प यानी समझौता या कार्रवाई खुले हुए हैं। इस बीच, अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने ईरान से जुड़े सुरक्षा खतरों को लेकर गंभीर चेतावनी दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, खुफिया अधिकारियों ने विदेश विभाग को आगाह किया है कि ईरान ने वैश्विक स्तर पर अमेरिकी कर्मचारियों को निशाना बनाने की कोशिशें तेज कर दी हैं। मध्य पूर्व और अन्य क्षेत्रों में अमेरिकी नागरिकों पर जानलेवा हमले करने की साजिशें भी काफी आगे बढ़ चुकी हैं। फिलहाल अमेरिका ने अंतिम रूप से यह स्पष्ट नहीं किया है कि उसका अगला कदम क्या होगा।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, सोमवार 26 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

सिंधु फ्रेंच बैडमिंटन के खिताबी मुकाबले में हारीं, दक्षिण कोरिया की अन से यंग तीसरी बार विजेता बनी



पेरिस। भारत की महिला बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु को सिंधु फ्रेंच बैडमिंटन 2026 के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। इसी के साथ ही सिंधु का खिताब जीतने का सपना टूट गया। सिंधु को खिताबी मुकाबले में दक्षिण कोरिया की नंबर एक खिलाड़ी अन से यंग के हाथों रोमांचक मुकाबले में 16-21, 21-11, 21-12 से हार का सामना करना पड़ा। सिंधु ने इस मुकाबले की शुरुआत करते हुए पहला गेम जीतकर उम्मीद जगाई पर इसके बाद कोरियाई खिलाड़ी ने वापसी करते हुए बाकि के गेम जीत कर तीसरी बार खिताब पर कब्जा किया। फाइनल में सिंधु ने आक्रामक रुख अपनाते हुए अन से यंग को शुरुआत से ही कड़ी टक्कर दी। उन्होंने नेट के करीब सटीक शॉट लगाए और शटल को जल्दी हिट करके दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी को लगातार मूव करने पर विवश कर दिया। सिंधु इस रणनीति के कारण ही पहला गेम 21-16 के स्कोर से जीतने में सफल रहीं। यह उपलब्धि इसलिए भी खास रही क्योंकि सिंधु ने 2023 के बाद पहली बार अन से यंग के खिलाफ कोई गेम जीता था। अपने पिछले 10 मुकाबलों में वह दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ केवल एक ही गेम जीत पाई थीं। पहला गेम गंवाने के बाद कोरियाई यंग ने अपनी रणनीति में बदलाव करते हुए रैलियों पर नियंत्रण बनाना शुरू किया। उन्होंने सिंधु के नेट प्ले को समझते हुए उनके छोटे शॉट्स का फायदा उठाया और लगातार दबाव बनाया। दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच एक 30 शॉट की लंबी रैली भी देखने को मिली, जिसने मुकाबले के रोमांच को बढ़ाया। अन से यंग ने दूसरे गेम में 21-11 से शानदार वापसी करते हुए मुकाबले को बराबरी पर ला खड़ा किया। सिंधु ने गेम के अंतिम चरण में तीन गेम अंक बचाए, लेकिन अंततः एक शॉट को सही तरीके से समझ नहीं कर सकीं और गेम हार गयीं।

निर्णायक तीसरे गेम में भी सिंधु ने अच्छी शुरुआत की और एक समय 8-5 की बढ़त बना ली थी। उनकी कोर्ट पर मूवमेंट और आक्रामक खेल ने मुकाबला बेहद रोमांचक बनाए रखा, लेकिन अन से यंग ने धीरे-धीरे मैच पर अपनी पकड़ मजबूत की। उन्होंने सिंधु को कोर्ट के पिछले हिस्से की ओर खेलने के लिए मजबूर किया, जिससे भारतीय खिलाड़ी पर दबाव बढ़ गया। लंबी रैलियों के दौरान सिंधु की मूवमेंट में कुछ धीमी गति आने लगी, जिसका फायदा उठाते हुए अन ने निर्णायक गेम 21-12 से जीतकर लगातार तीसरी बार फ्रेंच ओपन जीता।

यह अन से यंग के खिलाफ सिंधु की 11वीं हार थी, और दोनों खिलाड़ियों के बीच हुए सभी 11 मुकाबलों में दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी ने जीत दर्ज की है। मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों ने कुल 102-102 अंक खेले, लेकिन अन से यंग ने 58 अंक जीतकर सिंधु के 44 अंकों के मुकाबले बढ़त बनाई।

एमएलएस फुटबॉल में रेड बुल ने मेसी की इंटर मियामी को 2-0 से हराया

न्यू जर्सी। रेड बुल न्यूयॉर्क ने यहां खेले गये एमएलएस फुटबॉल सत्र के एक मुकाबले में स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेसी की टीम इंटर मियामी को हराकर सनसनी फैला दी। इस मुकाबले में मेजबान रेड बुल ने शुरुआत से ही बढ़त बना ली और इसके बाद इंजरी टाइम में दूसरा गोल दागकर अपनी टीम की जीत तय कर दी। वहीं इंटर मियामी ने वापसी करने के कई प्रयास किए पर असफल रही।इस मुकाबले की शुरुआत से ही रेड बुल न्यूयॉर्क ने आक्रामक खेल दिखाया। मैच के केवल सातवें मिनट में ही एक आत्मघाती गोल से इंटर टीम पिछड़ गयी। इसके बाद बराबरी के लिए मेसी की टीम ने काफी जोर लगाय पर वह गोल करने में विफल रही। पहले हाफ के समाप्त होने तक रेड बुल न्यूयॉर्क ने अपनी बढ़त बरकरार रखी, जिससे इंटर मियामी पर दूसरे हाफ में वापसी का दबाव और बढ़ गया। दूसरे हाफ की शुरुआत होते ही इंटर मियामी ने अपनी रणनीति बदलते हुए हमले तेज कर दिये पर रेड बुल के गोलकीपर और रक्षापंक्ति ने इन्हें विफल कर दिया। मैच के 84वें मिनट में, इंटर मियामी को बराबरी करने का सबसे अच्छा अवसर मिला। स्थानात्र खिलाड़ी सैंटियागो मोरालेस ने पेनल्टी एरिया के दाईं ओर से गोल पर एक शानदार किक लगायी पर रेड बुल के गोलकीपर ने उसे रोक लिया। रिबाउंड पर तेलास्को सेगोविया ने किग लगायी पर गेंद क्रॉसबार से टकर गयी । इसके बाद भी इंटर मियामी ने प्रयास जारी रखा पर इंजरी टाइम के पहले मिनट में रेड बुल ने एक और गोल दागकर अपनी बढ़त 2-0 कर दी। इस गोल के साथ ही इंटर मियामी की वापसी की सभी उम्मीदें समाप्त हो गईं और रेड बुल न्यूयॉर्क ने यह मुकाबला 2-0 से जीत लिया। टीम की हार के बाद भी इंटर मियामी के कप्तान मेसी का इस सीजन में व्यक्तिगत प्रदर्शन लगातार अच्छा रहा है। मौजूदा मेसी ने इस नियमित सत्र में अब तक 25 गोल किए हैं, जिससे वह अपनी टीम और पूरी लीग में गोल करने वालों में शीर्ष पर हैं।

फिटनेस और मेडिकल जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आईपीएल में खेलने पर कोई फैसला लेंगे धोनी

बेंगलुरू। चेन्नई सुपरकिंग्स को अपनी कप्तानी में पांच बार आईपीएल में खिताबी जीत दिलाने वाले महेन्द्र सिंह धोनी का कहना है कि 2027 सत्र में खेलने के लेकर अभी उन्होंने कोई फैसला नहीं किया है। साथ ही कहा कि इस बारे में वह जो भी फैसला लेंगे व फिटनेस और मेडिकल जांच के आधार पर साल के अंत तक ले लेंगे। जाएगा। है। धोनी पिछले काफी समय से फिटनेस को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। पिछले आईपीएल सीजन में पिंडली की चोट के कारण वह एक भी मैच नहीं खेल पाए थे। इसके बाद से ही उनकी आईपीएल से संन्यास की अटकलें लगने लगीं थीं। वहीं हाल ही में बेंगलुरू में एक कार्यक्रम में शामिल हुए धोनी से जब आईपीएल में उनके भविष्य के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि पहले उन्हें पूरी तरह से मेडिकल जांच करवानी होगी, उसके बाद उन्हें डॉक्टरों की रिपोर्ट का इंतजार रहेगा, और इन सभी प्रक्रियाओं के बाद ही वे अगले सत्र में खेलने पर कोई फैसला कर पायेंगे। धोनी ने इस प्रक्रिया को समझाते हुए कहा, मुझे पहले अपनी जांच करवानी होंगी, डॉक्टरों को मुझे रिपोर्ट देनी होगी और दिसंबर से पहले मुझे यह फैसला लेना होगा कि मैं एक और सीजन खेलने की स्थिति में हूं या नहीं। उनके इस बयान से यह साफ है कि उनकी शारीरिक स्थिति ही उनके आगे खेलने या न खेलने का मुख्य आधार बनेगी। उन्होंने कहा, आपको मजाकिया अंदाज में कहा कि डॉक्टरों को तय करना होगा कि मेरे साथ सबकुछ ठीक हो और मेरे जैसी पुरानी गाड़ी सड़क पर ठीक से चले। इसलिए दबाव डॉक्टरों पर है। उनका यह बयान उनकी उम्र और चोट से उबरने की चुनौती को दिखात है। गौरतलब है कि आईपीएल 2027 के लिए सभी टीमों को 15 नवंबर तक अपनी-अपनी रिटेंशन सूची जारी करनी है। ऐसे में चेन्नई सुपर किंग्स का प्रबंधन भी धोनी की फिटनेस रिपोर्ट पर करीब से नजर बनाए रखेगा। चेन्नई सुपर किंग्स के सीईओ काशी विश्वनाथन पहले ही यह स्पष्ट कर चुके हैं कि उन्होंने अगले सीजन खेलने का फैसला पूरी तरह से धोनी पर छोड़ दिया है।

तीसरे टी20 में बदलावों के साथ उतरेगी न्यूजीलैंड

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड की टीम भारत के खिलाफ मंगलवार को खेले जाने वाले तीसरे टी20 क्रिकेट मैच में बड़े बदलावों के साथ उतरेगी। मेजबान टीम पांच मैचों की इस सीरीज के पहले दोने मैच हारी है। इससे भारतीय टीम सीरीज में 2-1 से आगे हो गयी है। ऐसे में तीसा टी20 बेहद अहम माना जा रहा है। तीसरा टी20 मुकाबला 27 अक्टूबर को वेलिंगटन में खेला जाएगा, जिसके लिए कीवी टीम में कई महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। वहीं न्यूजीलैंड क्रिकेट का कहना है कि खिलाड़ियों को प्रदर्शन के अनुसार नहीं बल्कि वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण बदला जा रहा है। इसी कारण कुछ खिलाड़ियों को आराम दिया गया है, जबकि कुछ की भूमिका बदली गयी है। इसी के तहत ही तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन तीसरे टी20 मुकाबले से बाहर रहेंगे। वह ईडन पार्क व सेडन पार्क में होने वाले अंतिक दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए टीम में फिर जुड़ेंगे। वहीं, कीवी टीम के लिए एक बड़ा झटका मैट हेनरी के रूप में लगा है, जो पूरी टी20 श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। हेनरी अब सीधे भारत के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला में वापसी करेंगे, जिससे उनकी अनुपस्थिति टी20 प्रारूप में टीम की गेंदबाजी को प्रभावित कर सकती है। इसके अलावा, ऑलराउंडर काइल जैमीसन तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के बाद वेलिंगटन में ही रुकेंगे और 31 अक्टूबर को सेलो बेसिन रिजर्व में कैंटरबरी के फोर्ड ट्रॉफी के दूसरे राउंड के लिए उपलब्ध रहेंगे। इसके बाद वह एकदिवसीय श्रृंखला के लिए टीम में लौटेंगे। ब्लेयर टिकनर को तीसरे से पांचवें टी20 के लिए वेलिंगटन में टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है, जबकि उनके साथी जोश क्लार्कसन चौथे और पांचवें टी20 के लिए ऑकलैंड में टीम का हिस्सा बनेंगे।

विशेषज्ञ बोले, वैभव को तीसरे नंबर पर उतारना सही नहीं

क्राइस्टचर्च। उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंधी को न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर क्रिकेट जानकारों ने नाराजगी जतायी है। वैभव मैच में 8 गेंद पर केवल 4 रन ही बना पाये थे। विशेषज्ञों का कहना है कि पारी की शुरुआत के लिए उतरने वाले वैभव को नंबर 3 पर खेलने का अंदाजा नहीं है क्योंकि उसने अपने छोटे से टी20 करियर में हमेशा एक सलामी बल्लेबाज के रूप में खेला है। ऐसे में उन्हें अचानक तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजना कहीं से भी ठीक नहीं है। दूसरे टी20 में वैभव को इसलिए तीसरे नंबर पर भेजा गया क्योंकि टीम प्रबंधन अपनी स्थापित सलामी जोड़ी में कोई बदलाव नहीं करना चाहता था। इसी रणनीति के कारण वैभव पिछले कुछ समय से अंतिम ग्यारह में जगह नहीं बना पा रहे थे। वहीं जब ईशान किशन चोटिल हुए तो उनकी जगह पर वैभव को शामिल किया गया। तब भी टीम प्रबंधन अपनी पूर्व-निर्धारित रणनीति से हटने को तैयार नहीं दिखा। हालांकि इससे पहले हुए एशियाई खेलों में जब संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी एक साथ अंतिम ग्यारह में थे। तब सैमसन ने नंबर तीन पर बल्लेबाजी की थी। दूसरे टी20 के बाद विशेषज्ञों ने कहा कि वैभव को नंबर 3 पर उतारना गलती थी। इससे वह कुछ नहीं कर पाये। उसने करीब आठ गेंदों तक संघर्ष किया लेकिन सफल नहीं विशेषज्ञों ने आगे यह भी कहा कि जब वैभव उतरे थे तब उनके साथ किसी अनुभवी बल्लेबाज की जरुरत थी जो उन्हें सही मार्गदर्शन दे सके, पर ऐसा नहीं हु। इसलिए वह बल्लेबाजी के लिए उतरने के बाद से ही पूरी तरह से असहज महसूस कर रहे थे। उन्होंने टीम प्रबंधन को सलाह भी दी कि यदि सूर्यवंशी, अभिषेक और सैमसन तीनों को एक ही अंतिम ग्यार में शामिल करना अनिवार्य है, तो सैमसन को ही नंबर 3 पर खेलना चाहिए, जैसा कि उन्होंने पहले भी भारत के लिए एशियाई खेलों के दौरान सफलतापूर्वक इस नंबरपर खेला था।



नीदरलैंड के रोटरडम में ब्राजील की रबैका एंड्रेड महिलाओं की पोल वॉल्ट स्पर्धा में भाग लेती हुई।

व्यापार समाचार

संक्षिप्त समाचार

एफपीआई ने अक्टूबर में भारतीय शेयर बाजार से 48,056 करोड़ निकाले

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की निकासी अक्टूबर माह में भी जारी रही है, जिसने बाजार पर दबाव बनाए रखा है। चालू माह में अब तक एफपीआई ने भारतीय इक्विटी बाजार से 48,056 करोड़ रुपये की बड़ी राशि निकाली है। इसके साथ ही, इस साल भारतीय बाजार से उनकी कुल निकासी 3.08 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गई है, जो पिछले साल की 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से काफी अधिक है। विशेषज्ञों के अनुसार वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, खासकर पश्चिम एशिया में अशांति, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें (जो एक समय 114 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं), बढ़ती महंगाई की आशंकाएं और भारतीय कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजे विदेशी निवेशकों की बिकवाली को बढ़ावा दे रहे हैं। हालांकि, पिछले सप्ताह विदेशी निवेशकों की बिकवाली की रफ्तार में उल्लेखनीय कमी देखी गई और दो कारोबारी सत्रों में वे शुद्ध खरीदार भी रहे। बाजार के जानकारों के मुताबिक, अमेरिकी बॉण्ड प्रतिफल में गिरावट (5.36 प्रतिशत से लगभग पांच प्रतिशत पर), रुपये में मजबूती (94.94 प्रति डॉलर तक) और आकर्षक शेयर मूल्यांकन जैसे कारकों ने बिकवाली को धीमा किया। निवेश मंच 'ट्रैक' ने इस स्थिति पर अधिक चिंता न जताने की सलाह दी है। उसका कहना है कि भारतीय बाजार में विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी पहले ही कई साल के निचले स्तर पर आ चुकी है, जबकि घरेलू निवेशकों की भागीदारी लगातार बढ़ी है। उनके अनुसार, आईपीओ में निरंतर निवेश यह दर्शाता है कि विदेशी निवेशक पूरी तरह से बाजार से किनारा नहीं कर रहे हैं, बल्कि बेहतर अवसरों की तलाश में पोर्टफोलियो को पुनर्गठित कर रहे हैं। इस बीच अक्टूबर में विदेशी निवेशकों ने भारतीय ऋण बाजार से भी 5,190 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की।

शेयर बाजार में पारदर्शिता और निवेशकों की सुरक्षा के लिए सेबी के बड़े बदलाव

नई दिल्ली। आम निवेशकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, शेयर बाजार नियामक सेबी ने बाजार में होने वाले गलत कामों पर लगाम लगाने के लिए बड़े बदलावों की घोषणा की है। सेबी अब ट्रेडिंग टर्मिनल के दुरुपयोग को रोकने और ब्रोकरों के लिए उनके जोखिम के हिसाब से नियम बनाने की तैयारी में है। इन कदमों से बाजार में पारदर्शिता बढ़ने और निवेशकों के हितों की रक्षा होने की उम्मीद है। सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने स्पष्ट किया है कि ट्रेडिंग टर्मिनल के गलत इस्तेमाल को जड़ से खत्म करने के लिए एक बेहद सख्त नया फ्रेमवर्क लाया जा रहा है। इसका मुख्य लक्ष्य बाजार में पारदर्शिता सुनिश्चित करना और आम निवेशकों के पैसे को सुरक्षित करना है। सेबी उन ब्रोकरों पर नकेल कसने की तैयारी में है जो अपने खातों का इस्तेमाल कर दूसरे ट्रेडरों को चोरी-छिपे ट्रेडिंग की सुविधा दे रहे थे, जिससे मार्जिन नियमों का खुला उल्लंघन हो रहा था। अब यह किराए के खाते वाली प्रथा पूरी तरह से बंद की जाएगी। इसके साथ ही सेबी अब वन साइज फिट्स ऑल की नीति से हटकर ब्रोकिंग कंपनियों के आकार, ग्राहक संख्या और बाजार में उनके जोखिम के आधार पर अलग-अलग नियम लागू करने पर विचार कर रहा है। यह बड़े और छोटे ब्रोकरों के लिए एक अधिक न्यायसंगत नियामक ढांचा प्रदान करेगा। सेबी केवल ट्रेडिंग टर्मिनल तक सीमित नहीं है, बल्कि शॉर्ट सेलिंग और सिक्योरिटीज लेंडिंग एंड बॉरोइंग के नियमों की भी समीक्षा कर रहा है ताकि बाजार में शेयरों की खरीद-बिक्री की स्थिति बेहतर हो सके। कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार में तरलता बढ़ाने के लिए एक मार्केट मेकिंग फ्रेमवर्क और बायबैक व ऑफर फॉर सेल प्रक्रियाओं को सरल व लागत-प्रभावी बनाने पर भी काम चल रहा है। ये सभी बदलाव भारतीय शेयर बाजार को मजबूत, पारदर्शी और निवेशकों के लिए सुरक्षित बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम हैं।

वैश्विक कर्ज संकट: 34,000 लाख करोड़ का बोझ, यूरोप में बढ़ा तनाव

ब्याज चुकाने में सरकारों के छूटे पसीने, भारत की जीडीपी के 83.4 फीसदी तक पहुंचा कर्ज



नई दिल्ली। दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाएं इस समय कर्ज के भारी बोझ तले दबी हुई हैं। कुल 34,675 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज सरकारों, निजी कंपनियों और परिवारों पर है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस विशाल कर्ज पर बढ़ता ब्याज चुकाना सरकारों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है, जिससे स्वास्थ्य, शिक्षा और जन-कल्याणकारी योजनाओं के बजट पर सीधा असर पड़ रहा है। फ्रांस पर विशेष दबाव कर्ज के बढ़ते बोझ और बजट कटौती के खिलाफ यूरोप के कई देशों में व्यापक विरोध प्रदर्शन देखे जा रहे हैं। फ्रांस में आर्थिक हालात विशेष रूप से चिंताजनक हैं, जहां सरकारी कर्ज बढ़ने के कारण उधारी काफी महंगी हो गई है। अक्टूबर 2026 में फ्रांस के 10-वर्षीय सरकारी बॉन्ड की यील्ड लगभग 5 फीसदी तक पहुंच गई, जो जर्मनी के 3.41 फीसदी से काफी अधिक है। यह स्थिति 2010-2012 के यूरोजोन कर्ज संकट की याद दिलाती है, जब ग्रीस और पुर्तगाल जैसे देश वित्तीय संकट से जूझ रहे थे। भारत की स्थिति और विशेषज्ञ राय दुनिया के प्रमुख देशों में सरकारी कर्ज का आंकड़ा भी विशाल है, जिसमें अमेरिका (3,933 लाख करोड़ रुपए) और चीन (2,137.5 लाख करोड़ रुपए) शीर्ष पर हैं। भारत पर भी 323 लाख करोड़ रुपए का सरकारी कर्ज है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के 2026 के अनुमानों के मुताबिक, भारत का कुल सरकारी कर्ज (केंद्र और राज्य) उसकी जीडीपी का 83.4 फीसदी है। हालांकि, विशेषज्ञ केवल कर्ज के बड़े आंकड़े को संकट का प्रमाण नहीं मानते। उनका कहना है कि जापान और अमेरिकाजैसे देशों के उदाहरण बताते हैं कि वास्तविक वित्तीय सेहत ब्याज चुकाने की क्षमता, सरकारी राजस्व, आर्थिक विकास दर और उधारी की लागत से निर्धारित होती है। गौरतलब है ?कि सरकारें विभिन्न विकास और कल्याणकारी योजनाओं के लिए टैक्स और अन्य आय के अलावा सरकारी बॉन्ड जारी करके बैंकों और निवेशकों से कर्ज लेती हैं। जब इन बॉन्ड की कीमतें गिरती हैं, तो उनकी यील्ड (ब्याज दर) बढ़ जाती है, जिससे सरकारों के लिए नया कर्ज लेना और पुराने कर्ज को चुकाना महंगा हो जाता है। यह स्थिति सरकारों को स्वास्थ्य, शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में खर्चों में कटौती करने पर मजबूर करती है, जिससे जन-कल्याणकारी योजनाओं पर सीधा असर पड़ता है।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में उछाल के बावजूद भारत में ईंधन कीमतें स्थिर

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल के बावजूद भारतीय उपभोक्ताओं को फिलहाल राहत मिली है। र?विवार को जारी आंकड़ों के अनुसार दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई सहित देश के प्रमुख शहरों में पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित बने रहे, जबकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 116 डॉलर प्रति बैरल के पार कारोबार कर रहा था। देश के प्रमुख शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर अपरिवर्तित रहा। इसी तरह मुंबई, कोलकाता, चेन्नई और पटना जैसे अन्य प्रमुख शहरों में भी दरें जस की तस रहीं। शहरों में कीमतों का अंतर स्थानीय करों और अन्य लागतों के कारण बना हुआ है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं, जहां 24 अक्टूबर को ब्रेंट क्रूड का भाव 116.93 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी बेंचमार्क डब्ल्यूटीआई क्रूड का भाव 103.44 डॉलर प्रति बैरल दर्ज किया गया। यह समझना महत्वपूर्ण है कि कच्चे तेल की कीमत को सीधे प्रति लीटर ईंधन से नहीं जोड़ा जा सकता, क्योंकि इसमें रिफाइनिंग, परिवहन, रुपये-डॉलर विनिमय दर, केंद्र व राज्य सरकारों के कर और डीलर कमीशन जैसे कई कारक शामिल होते हैं। कच्चे तेल के ऊंचे स्तर पर बने रहने के बावजूद कीमतों में यह स्थिरता कई कारकों का परिणाम है। तेल कंपनियां केवल कच्चे तेल की लागत ही नहीं, बल्कि परिचालन खर्चों और बाजार की स्थितियों को भी ध्यान में रखती हैं।

जम्मू-कश्मीर, त्रिपुरा सहित कई राज्यों में 26 अक्टूबर को बैंक बंद रहेंगे

नई दिल्ली। अगले सप्ताह यदि आपका बैंक से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण काम है, तो सावधानी बरतें। 26 अक्टूबर से शुरू हो रहे नए सप्ताह में देश के अलग-अलग राज्यों में विभिन्न कारणों से बैंक अवकाश रहेगा, हालांकि देशभर में सभी बैंक बंद नहीं रहेंगे। सोमवार, 26 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर में विलय दिवस, त्रिपुरा में लक्ष्मी पूजा और चंडीगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक व मध्य प्रदेश में महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर बैंक बंद रहेंगे।

सोना-चांदी की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। सोने और चांदी की कीमतों ने हालिया भारी उतार-चढ़ाव के बाद रविवार को थोड़ी राहत ली है, जहां दोनों धातुओं के भाव में कोई खास बदलाव नहीं देखा गया। इससे पहले तेज गिरावट दर्ज की गई थी। विश्लेषकों का मानना है कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आगामी बैठक अब इनकी दिशा तय करेंगी। बीते दिन 24 कैरेट सोना 100 रुपये महंगा होकर 1,42,730 रुपये प्रति 10 ग्राम (दिल्ली में) पर स्थिर रहा, जबकि अहमदाबाद में यह 100 रुपये सस्ता बिका। इससे पहले, दो दिनों में 24 कैरेट सोने में 3,600 रुपये और 22 कैरेट में 3,300 रुपये की बड़ी गिरावट आई थी। चांदी भी लगातार दूसरे दिन अपरिवर्तित रही और दिल्ली में 2,20,900 रुपये प्रति किलो पर टिकी है। पिछले 11 दिनों में चांदी कुल 15,000 रुपये प्रति किलो सस्ती हुई है। बाजार के जानकारों के अनुसार कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें (ब्रेंट क्रूड 112 डॉलर प्रति बैरल के पार) महंगाई की चिंता बढ़ा रही हैं, जिससे अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को लंबे समय तक ऊंचा रखने की आशंका मजबूत हुई है। ऊंची ब्याज दरें सोने-चांदी जैसे गैर-ब्याज देने वाले एसेट्स की चमक घटाती हैं। अब निवेशकों की निगाहें 27-28 अक्टूबर को होने वाली अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक पर टिकी हैं।



अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूरे अमेरिका में बुजुर्गों की देखभाल केंद्रों के लिए कम से कम 5,000 नर्सों की भर्ती करने हेतु 250 मिलियन डॉलर की एक पहल की घोषणा की है।

पांच साल में भारत को अपने शीर्ष 10 बाजार में शामिल करेगी ब्राउन-फॉर्मन

नई दिल्ली। अमेरिकी स्पिरिट दिग्गज ब्राउन-फॉर्मन ने अगले पांच वर्षों में भारत को अपने स्कॉच व्हिस्की पोर्टफोलियो के लिए दुनिया के शीर्ष 10 बाजारों में शामिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। कंपनी को भारत में प्रीमियम शराब की बढ़ती मांग, अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों के प्रति उपभोक्ताओं की रुचि और भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से महत्वपूर्ण विस्तार के अवसर मिलने की उम्मीद है। जैक डेनियल्स जैसे प्रसिद्ध ब्रांडों की मालिक ब्राउन-फॉर्मन ने इसी साल मई में अपने प्रीमियम सिंगल माल्ट स्कॉच द ग्लेनड्रोनाच के साथ भारतीय बाजार में प्रवेश किया था। अब कंपनी की योजना 'बेनरियाक' और उसके बाद 'ग्लेंग्लासॉ' को भी भारत में पेश करने की है। ब्राउन-फॉर्मन के माल्ट्स एंड आयरिश के एक अ?धिकारी ने पुष्टि की कि भारत कंपनी की दीर्घकालिक स्कॉच रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और यहां व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। कंपनी का मानना है कि भारतीय उपभोक्ता अब सिर्फ कीमत नहीं, बल्कि गुणवत्ता और उत्पाद की विशिष्टता को महत्व दे रहे हैं, जिससे प्रीमियम सिंगल माल्ट की मांग बढ़ रही है। भारत-ब्रिटेन एफटीए भी कंपनी के लिए बेहद अहम है। 15 जुलाई, 2026 से प्रभावी होने के बाद ब्रिटिश स्कॉच व्हिस्की पर आयात शुल्क 150 प्रतिशत से घटाकर 75 प्रतिशत हो जाएगा, जिससे बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। ब्राउन-फॉर्मन भविष्य में आयरिश व्हिस्की, जिन और टकीला जैसी श्रेणियों में भी अवसर तलाशने की योजना बना रही है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

स्वामित्व योजना के प्रति ग्रामीणों में उत्साह और आशा का भाव : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

मुख्यमंत्री ने भोपाल में सुशासन संवाद कार्यक्रम को किया संबोधित



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि माता-बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना हमारा दायित्व है। शहडोल में तेंदूपत्ता संग्रहण करने वाली माता-बहनों को बोनस के माध्यम से आर्थिक मदद की जा रही है। किसानों को भी हम आर्थिक रूप से सशक्त कर रहे हैं। बहनों, किसानों, गरीबों को दी जा रही छोटी-छोटी राशि आर्थिक सहायता,समाज के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण है। माता-बहनों को हमारी सरकार अब तक 65 हज़ार करोड़ रुपये की राशि दे चुकी है। देश में मध्यप्रदेश सरकार एकमात्र ऐसी सरकार है जो किसानों के सशक्तिकरण के साथ ही पशुपालकों और दुग्ध उत्पादकों को भी प्रोत्साहित कर रही है। हमारी सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में शासकीय भूमि पर बने मकानों की नि:शुल्क रजिस्ट्री करने की पहल की है। इससे ग्रामीण उस मकान पर बैंक से ऋण ले सकेंगे। ग्रामीणों में स्वामित्व योजना के प्रति उत्साह और आशा का भाव है। अब अपने व्यापार को बढ़ाने या अन्य आर्थिक गतिविधियों के लिए ग्रामीण व्यक्ति अपने मकान पर ऋण ले सकेंगे,इससे अर्थव्यवस्था और सुदृढ़ होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह विचार भोपाल में आयोजित एक मीडिया समूह के कार्यक्रम सुशासन संवाद 3.0 में व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कार्यक्रम में लाड़ली बहना योजना,जनकल्याण और विकास के बीच वित्तीय संतुलन,सिंहस्थ 2028 को वैश्विक आध्यात्मिक आयोजन बनाने के लिए जारी तैयारी और अंतर्राज्यीय संबंधों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने सांदीपनि विद्यालय के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने का काम किया है। प्रदेश में एक समय वह भी था जब स्कूल में बैठने के लिए टाट- पट्टी तक की व्यवस्था नहीं थी। आज सांदीपनि विद्यालय आधुनिक सुविधाओं,बहुमंजिला भवनों और बेहतर शैक्षणिक संसाधनों के साथ शिक्षा का आदर्श मॉडल बन रहे हैं। राज्य सरकार का प्रयास है कि इन विद्यालयों के माध्यम से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले और वे भारतीय संस्कृति,गुरु-शिष्य परंपरा तथा राष्ट्रभक्ति के मूल्यों को आत्मसात करें। गर्व का विषय है कि देश में सबसे अच्छी शिक्षा व्यवस्था अब मध्यप्रदेश की है।

मध्यप्रदेश की बाग प्रिंट कला श्रीलंका में बिखेरेगी अब अपनी छटा

भोपाल। मध्यप्रदेश की समृद्ध पारंपरिक हस्तशिल्प कला अब अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान को और सशक्त करने जा रही है। धार जिले के बाग के प्रसिद्ध शिल्पकार मोहम्मद आरिफ खत्री को श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में आयोजित होने वाले 'इंडो-श्रीलंका सीलोन क्राफ्ट वीक 2026' अंतर्राष्ट्रीय हस्तशिल्प व्यापार मेले में भागीदारी के लिए आमंत्रित किया गया है। यह आयोजन 29 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक आयोजित होगा। श्री खत्री की भागीदारी से मध्यप्रदेश की विश्वप्रसिद्ध बाग प्रिंट कला को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करने और भारतीय पारंपरिक शिल्प की विशिष्टता को श्रीलंका के दर्शकों तक पहुंचाने का अवसर मिलेगा। प्राकृतिक रंगों, पारंपरिक तकनीकों और विशिष्ट छपाई शैली के लिए पहचान रखने वाली बाग प्रिंट कला मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस अंतर्राष्ट्रीय आयोजन का संयुक्त आयोजन श्रीलंका सरकार के उद्योग एवं उद्यमिता विकास मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय शिल्प परिषद तथा कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग के स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र द्वारा किया जा रहा है। मेले का उद्देश्य भारत और श्रीलंका के बीच पारंपरिक शिल्पकला एवं सांस्कृतिक विरासत के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना है। इस आयोजन में केवल हस्तनिर्मित एवं हथकरघा उत्पादों के प्रदर्शन की अनुमति है। इससे बाग प्रिंट के पारंपरिक हस्तनिर्मित वस्त्रों और शिल्प उत्पादों को अपनी विशिष्ट पहचान प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

इंस्पेक्टर से डीएसपी बने 15 अफसरों के प्रमोशन किये गये निरस्त

भोपाल। मध्यप्रदेश में जुलाई में इंस्पेक्टर से डीएसपी पद पर पदोन्नत किए गए 15 पुलिस अधिकारियों को गृह विभाग ने वापस इंस्पेक्टर बना दिया है। इन अधिकारियों की पदोन्नति निरस्त करने के आदेश 16 अक्टूबर 2026 को जारी किए गए थे,जो अब सामने आए हैं। विभागीय जांच, आपराधिक प्रकरण या दंड प्रभावशील होने के कारण इन अधिकारियों को पदोन्नति के लिए अनफिट माना गया है। गृह विभाग के आदेश के मुताबिक, विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसा पर पहले जारी पदोन्नति आदेश की समीक्षा की गई। इसके बाद संबंधित अधिकारियों की पदोन्नति निरस्त करने का निर्णय लिया गया। रिवर्ट किए गए अधिकारियों में निरीक्षक संवर्ग के 12 अधिकारी, विशेष शाखा के एक निरीक्षक,विसबल के एक निरीक्षक और एक आरक्षित निरीक्षक शामिल हैं। इससे पहले पुलिस मुख्यालय भोपाल ने 1 सितंबर को आदेश जारी कर जुलाई में पदोन्नत किए गए 78 उप निरीक्षकों और कार्यवाहक निरीक्षकों की पदोन्नति निरस्त कर दी थी। इन्हें निरीक्षक पद पर पदोन्नति के बाद सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) के आदेश के आधार पर पदोन्नति के लिए अनफिट पाया गया था। विभागीय जांच और आपराधिक प्रकरणों के चलते उनकी पदोन्नति वापस ली गई थी।

गलत तरीके से हो रही एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ लड़ रही कांग्रेस

भोपाल। भोपाल में महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के सदस्य बालासाहेब थोरात ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर भाजपा के पक्ष में काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार भाजपा का राज बचाने के लिए काम कर रहे हैं। कांग्रेस एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के खिलाफ नहीं, बल्कि गलत तरीके से हो रही प्रक्रिया के खिलाफ लड़ रही है। यह लड़ाई लोकतंत्र और वोट देने के अधिकार को बचाने के लिए है। थोरात ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह बात कही। इस दौरान केवलारी विधायक रजनीश सिंह, भोपाल शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना और ग्रामीण जिला अध्यक्ष अनोखी पटेल मौजूद रहे। थोरात ने कहा कि भाजपा एसआईआर के फायदे गिना रही है,क्योंकि उसे इससे फायदा नजर आ रहा है। कांग्रेस ऐसी प्रक्रिया चाहती है,जो निष्पक्ष और सही हो। उन्होंने कहा कि पार्टी गलत तरीके से एसआईआर किए जाने के खिलाफ संघर्ष करेगी। थोरात ने दावा किया कि जनता जागरूक हो चुकी है और राहुल गांधी के नेतृत्व में लोकतंत्र बचाने की लड़ाई में कांग्रेस के साथ है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस 1 नवंबर को रैली निकालेगी। इसके बाद नवंबर में बूथ स्तर पर जाकर मतदाता सूची की जांच की जाएगी। कांग्रेस कार्यकर्ता देखेंगे कि वोटर लिस्ट में कोई गड़बड़ी तो नहीं हुई है।

भोपाल में घेराबंदी कर ड्रग की तस्करी करते दो आरोपी पकड़ाए

भोपाल। राजधानी भोपाल की परवलिया सड़क पुलिस ने बायपास रोड पर घेराबंदी कर दो युवकों को एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 12.63 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई, जिसकी कीमत करीब 1.50 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल बाइक और मोबाइल फोन भी जब्त किया है। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 3 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस के मुताबिक,24 अक्टूबर की रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो युवक बाइक से एमडी ड्रग्स लेकर थाना क्षेत्र से गुजरने वाले हैं। सूचना के बाद वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। थाना प्रभारी के नेतृत्व में पांच पुलिस टीमें बनाकर बायपास रोड पर घेराबंदी की गई। रात करीब 1.40 बजे पुलिस को बाइक पर सवार दो संदिग्ध युवक दिखाई दिए। पुलिस को देखकर दोनों ने बाइक मोड़कर भागने की कोशिश की, लेकिन घेराबंदी के चलते पकड़े गए। तलाशी में तरुण सराठे (24), निवासी छावनी पठार, बिलखिरिया के पास से 12.63 ग्राम एमडी ड्रग्स मिली। उसके साथ बाइक पर सवार अखिलेश मेहरा (24), निवासी छावनी पठार को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार,तरुण के खिलाफ बिलखिरिया थाने में मारपीट और आर्म्स एक्ट के दो मामले दर्ज हैं। वहीं,अखिलेश के खिलाफ मारपीट के चार प्रकरण पहले से दर्ज हैं।

कैंसर जागरूकता के लिए शहर में आयोजित हुई 'रन फॉर लाइफ' ग्रीन रन

कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समय पर जांच का संदेश हर घर तक पहुंचाए



भोपाल । एम्स भोपाल के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी (कैंसर सर्जरी) विभाग ने अन्य विभागों के सहयोग से कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समय पर जांच एवं उपचार का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए रन फॉर लाइफ-रन अगेंस्ट कैंसर का आयोजन किया। मुख्य अतिथि प्रो. डॉ.माधवानंद कर (कार्यपालक निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी,एम्स दरभंगा) ने कैंसर की शीघ्र पहचान,समय पर उपचार,नियमित शारीरिक व्यायाम और कैंसर मरीजों के प्रति संवेदनशीलता के महत्व पर जोर दिया। संदेश जैन,उप निदेशक (प्रशासन) ने स्वच्छता को जीवनशैली का हिस्सा बनाने की अपील की। प्रतिभागियों की आयु और क्षमता के अनुसार तीन श्रेणियां निर्धारित की गईं- बुजुर्गों,बच्चों,मरीजों और कैंसर से उबर चुके लोगों के लिए एक किलोमीटर की ग्रीन वॉक,संकाय सदस्यों,कर्मचारियों,उनके परिजनों और आम नागरिकों के लिए 3 किलोमीटर की फन रन/वॉक तथा धावकों एवं फिटनेस प्रेमियों के लिए 5 किलोमीटर की ग्रीन रन। दौड़ से पूर्व प्रतिभागियों ने डॉ.मुद्दा सोफिया के मार्गदर्शन में योग सत्र में भाग लिया,जिसके पश्चात शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने हेतु सुश्री मोना दांगी और जसविंदर कौर द्वारा सामूहिक जुम्बा सत्र का संचालन किया गया। सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.विनय कुमार ने अन्य विभागों के स्टाफ सदस्यों के साथ मिलकर इस आयोजन के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समय पर जांच का संदेश हर घर तक पहुंचाने के लिये एम्स भोपाल द्वारा रन फॉर लाइफ-रन अगेंस्ट कैंसर ग्रीन रन का आयोजन किया गया। यह आयोजन एम्स भोपाल के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी (कैंसर सर्जरी) विभाग द्वारा अन्य विभागों के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के आरम्भ में मुख्य अतिथि प्रो डा माधावानंद कर कार्यपालक निदेशक ने अपने सम्बोधन में कहा कि इस रन के माध्यम से लोगों के बीच कैंसर के प्रति जागरूकता का सन्देश देने का प्रयास दिया गया है। उन्होंने कहा कि इससे घबराने की बजाय डाकटर से इस अवसर पर करके इलाज कराया जाय। खान पान की बदलती शैली में शारीरिक व्यायाम की महत्ता को प्रतिपादित करते हुये उन्होंने कहा कि इसको लेकर समाज में जागरूकता की महती आवश्यकता है।

एमपीवाईपीआईएल के मुख्यालय भोपाल में बनेगा कमांड कंट्रोल सेंटर

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रदेशवासियों को आधुनिक,सुलभ,सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा शुरू की गई है। इसके प्रभावी संचालन के लिए मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के मुख्यालय तथा 7 क्षेत्रीय सहायक कंपनियों के कार्यालयों की स्थापना एवं विस्तार का कार्य किया जा रहा है। एमपीवाईपीआईएल का मुख्यालय भोपाल स्थित स्मार्ट सिटी परिसर में स्थापित किया जा रहा है। यहां कमांड एंड कंट्रोल सेंटर भी स्थापित किया जा रहा है, जिसमें लगभग 150 अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बैठने की व्यवस्था होगी। इस सेंटर के माध्यम से 7 क्षेत्रीय कंपनियों के साथ समन्वय कर प्रदेशभर में संचालित बसों की निगरानी की जाएगी। साथ ही यात्रियों की सुरक्षा और परिवहन सेवाओं के प्रभावी नियंत्रण की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। वर्ष 2030-31 तक लगभग 15 हजार बसों के संचालन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

मध्य प्रदेश में रातें होने लगीं ठंडी, अमरकंटक में पारा 13 डिग्री पर पहुंचा

राजधानी भोपाल में भी सर्द हुई रातें, 4 दिन आंधी-बारिश का अलर्ट नहीं

भोपाल। प्रदेश में दिवाली से पहले मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। 28 अक्टूबर को प्रदेश के पूर्वी हिस्से में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। बंगाल की खाड़ी में सक्रिय निम्न दबाव क्षेत्र के प्रभाव से प्रदेश के कई इलाकों में तेज बारिश,गरज-चमक और बूंदाबांदी होने की संभावना है। इस बीच रात के तापमान में गिरावट से ठंड का असर भी बढ़ने लगा है। कटनी के करौंदी में न्यूनतम तापमान 12.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सबसे कम रहा। मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक निम्न दबाव क्षेत्र सक्रिय है। आने वाले दिनों में इसके तीव्र होकर डिप्रेशन में बदलने की संभावना है। इसका असर मध्य प्रदेश के मौसम पर भी दिखाई देगा। 28 अक्टूबर को प्रदेश के करीब आधे हिस्से में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने शहडोल,अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला और बालाघाट में भारी बारिश के आसार जताए हैं। वहीं, ग्वालियर, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर, उमरिया, सागर, पन्ना, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी हो सकती है। इन इलाकों में बादल छाए रहने का भी अनुमान है। दूसरी ओर,भोपाल,इंदौर,नर्मदापुरम और उज्जैन संभाग में मौसम साफ रहने की संभावना है। यहां दिन के समय धूप खिली रहेगी। प्रदेश में अगले तीन दिन तक बारिश की संभावना नहीं है। इसके बाद 28 अक्टूबर से नए मौसम सिस्टम के प्रभाव से कई इलाकों में मौसम बदल सकता है। दिवाली से पहले बारिश का यह दौर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों को प्रभावित कर सकता है। प्रदेश में बारिश का दौर थमने के बाद रात के तापमान में गिरावट आई है। बीती रात कटनी के करौंदी में न्यूनतम तापमान 12.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा इंदौर में 13.4 डिग्री,अमरकंटक में 13.6 डिग्री, दमोह और पचमढ़ी में 14 डिग्री,जबकि शाजापुर और बैतूल में 14.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। रात के साथ दिन के तापमान में भी गिरावट देखने को मिल रही है। प्रदेश के ज्यादातर शहरों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे बना हुआ है। अमरकंटक, मलाजखंड, शिवपुरी, बैतूल और पचमढ़ी में अधिकतम तापमान 27.4 से 29.4 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने बताया कि अक्टूबर के आखिरी सप्ताह में प्रदेश में बारिश का एक और दौर देखने को मिल सकता है। नए सिस्टम का असर उत्तर-पश्चिमी हिस्से में भी दिखाई देने की संभावना है। इसके साथ ही रात के तापमान में और गिरावट आ सकती है।

रीवा न्यूक्लियर प्लांट के विरोध में कांग्रेस का व्यापमं चौराहे पर धरना



भोपाल। भोपाल के व्यापमं चौराहे पर रविवार को रीवा में प्रस्तावित न्यूक्लियर पावर प्लांट के विरोध में कांग्रेस नेता दिलीप तिवारी साथियों के साथ धरने पर बैठे। उन्होंने आशंका जताई कि प्लांट से पर्यावरण,जल और जमीन पर खतरा बढ़ेगा, जिसका असर लोगों की सेहत पर भी पड़ सकता है। तिवारी ने कहा कि रीवा में पहले से ही स्वास्थ्य सुविधाएं बदहाल हैं। ऐसे में परमाणु प्लांट लगने से लोगों की परेशानी और बढ़ सकती है। उन्होंने मांग की कि सरकार प्लांट के बजाय क्षेत्र में रोजगार के दूसरे साधन विकसित करे। इसके अलावा दिलीप तिवारी ने कहा कि वे अपनी जान देने को तैयार हैं,लेकिन अपनी जमीन और पानी को जहरीला नहीं होने देंगे। दिलीप तिवारी ने कहा कि क्षेत्र में प्लांट के विरोध में पिछले 24 दिनों से लगातार आंदोलन चल रहा है। आंदोलनकारियों के समर्थन में विंध्य के लोग भोपाल में धरना दे रहे हैं। छह दिन से जल सत्याग्रह भी शुरू हुआ है, जिसमें वे खुद दो दिन शामिल रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि आंदोलन के दौरान आदिवासी महिला विमला कोल की मौत हो गई,लेकिन शासन-प्रशासन का कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर देखने तक नहीं पहुंचा।

'मन की बात' से बनते राष्ट्र निर्माण के साझा संकल्प : राज्यपाल पटेल

राज्यपाल पटेल ने विद्यार्थियों से परिसर में पेड़ लगाने का किया आव्हान

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि मन की बात कार्यक्रम देश के विचार, संकल्प और सामर्थ्य का सबसे सशक्त प्रेरणादायी मंच है। कार्यक्रम को सुनना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विचार, ज्ञान और अनुभवों से प्रेरणा लेने और सकारात्मक बदलावों के साथ राष्ट्र निर्माण के नए साझा संकल्पों को दिशा देने का अवसर है। उन्होंने कार्यक्रम को ऐतिहासिक बताते हुए प्रतिमाह वर्चुअली निरंतर देश की जनता के बीच प्रधानमंत्री के पहुंचने को अभूतपूर्व बताया है। राज्यपाल श्री पटेल रविवार को स्थानीय भारतीय वन प्रबंधन संस्थान में मन की बात कार्यक्रम के प्रसारण से पूर्व विद्यार्थियों से चर्चा कर रहे थे। राज्यपाल ने विद्यार्थियों का आह्वान किया है कि वे परिसर में एक पेड़ लगा कर संस्थान से जाएं, इससे संस्थान के साथ उनका जुड़ाव मजबूत होगा। राज्यपाल ने कार्यक्रम के बाद विद्यार्थियों से उनका परिचय प्राप्त किया, उन्हें शुभाशीष प्रदान किया। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि वन,पर्यावरण संरक्षण वैश्विक चुनौती है। स्टॉकहोम में वर्ष 1972 को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण चर्चा की पहल शुरू हुई थी, जिसकी आशंकाएं, जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग के रूप में सामने आ गई हैं। प्रकृति के अनुसार वर्ष में 4 मौसम होते हैं,लेकिन ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण के प्रभाव से कभी-कभी चारों मौसम एक ही दिन में अनुभव हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए वैद्यानिक प्रावधानों के साथ जन मानस में पर्यावरणीय चेतना का प्रसार जरूरी है।

लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक रहें युवा : राज्य मंत्री श्रीमती गौर

राज्य मंत्री ने एकलव्य मॉडल रेसिडेंशियल स्कूल में सुना 'मन की बात' कार्यक्रम



भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा है कि युवा लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सदैव जागरूक रहें। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र केवल एक शासन व्यवस्था मात्र नहीं है, अपितु यह हमारे देश की सामाजिक और राष्ट्रीय चेतना का आधार है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर भोपाल स्थित एकलव्य मॉडल रेसिडेंशियल स्कूल में विद्यार्थियों के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय एवं जन-उन्मुख कार्यक्रम 'मन की बात' के 139वें एपिसोड के लाइव श्रवण एवं उसके बाद आयोजित विद्यार्थियों की भाषण प्रतियोगिता कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे भारतीय संविधान के मूल्यों एवं समृद्ध लोकतांत्रिक परंपराओं के प्रति निष्ठा एवं सम्मान की भावना को अपने जीवन में आत्मसात करें। उन्होंने कहा कि देश की युवा शक्ति लोकतंत्र की सुदृढ़ता और राष्ट्र के नवनिर्माण की सबसे मुख्य कर्णधार है। इसके लिए प्रत्येक युवा का अपने नागरिक कर्तव्यों, संवैधानिक अधिकारों एवं सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति निरंतर सजग रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को एक जागरूक,उत्तरदायी तथा राष्ट्रहित के प्रति पूर्णत: समर्पित नागरिक बनने की प्रेरणा दी। 'मन की बात' कार्यक्रम के लाइव प्रसारण के उपरांत विद्यालय परिसर में 'लोकतंत्र बनाम अराजकता' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह एवं ऊर्जा के साथ सहभागिता की। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने लोकतंत्र की महत्ता, संवैधानिक चेतना के संरक्षण तथा अराजकता से समाज एवं राष्ट्र को होने वाले दुष्परिणामों पर प्रखर शैली में अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक चेतना का बीजारोपण करना,उनकी मौलिक अभिव्यक्ति की क्षमता का संवर्धन करना तथा उनमें राष्ट्र निर्माण के प्रति अटूट कर्तव्यनिष्ठा की भावना को सुदृढ़ करना रहा। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक,अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।



मप्र में कोचिंग सेंटरों के लिए नए नियम लागू, नोटिफिकेशन जारी

वेबसाइट पर बतानी होगी फीस-टीचर की जानकारी और काउंसलिंग भी जरूरी



भोपाल। राजधानी भोपाल के साथ ही पूरे प्रदेश में कोचिंग सेंटरों के संचालन को व्यवस्थित करने और विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नए नियमों का प्रारूप जारी किया गया है। उच्च शिक्षा विभाग ने मध्यप्रदेश कोचिंग केंद्र (पंजीयन एवं विनियमन) नियम, 2026 का नोटिफिकेशन जारी किया है। इसके तहत कोचिंग सेंटरों के पंजीयन, सुविधाओं, शिक्षकों की योग्यता, सुरक्षा और शिकायतों के निराकरण से जुड़े प्रावधान तय किए गए हैं। नए नियमों के मुताबिक,हर कोचिंग सेंटर को अपनी वेबसाइट बनाकर फीस, शिक्षकों, उपलब्ध सुविधाओं और शिकायत निवारण व्यवस्था जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां सार्वजनिक करनी होंगी। कोचिंग के लिए रजिस्ट्रेशन करने की जो व्यवस्था तय की गई है उसमें यह भी कहा गया है कि कोचिंग संचालकों को 90 दिन के भीतर रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन करना होगा रजिस्ट्रेशन की अवध 3 साल के लिए होगी और इसके बाद इसे रिन्यू कराना पड़ेगा रजिस्ट्रेशन ट्रांसफरेबल नहीं रहेगा। अगर किसी कोचिंग सेंटर की एक से अधिक ब्रांच है तो उसे एक अलग कोचिंग सेंटर माना जाएगा कोचिंग संचालक की यह भी जिम्मेदारी होगी कि उसके द्वारा प्रवेश और शिक्षण प्रक्रिया के दौरान धर्म मूल वंश जाति लिंग जन्म स्थान आदि के आधार पर किसी विद्यार्थी के विरुद्ध भेद नहीं किया जाएगा और इसके आधार पर उसका बैच अलग नहीं किया जा सकेगा कोचिंग सेंटर में जिस परीक्षा की तैयारी कराई जाएगी उसकी जानकारी देने के साथ-साथ फीस का पूरा स्ट्रक्चर भी बताना होगा। विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने होंगे,लेकिन शौचालय,चेंजिंग रूम और परामर्श कक्ष जैसे संवेदनशील स्थानों पर रिकॉर्डिंग नहीं की जा सकेगी। मानसिक स्वास्थ्य और करियर काउंसलिंग की व्यवस्था पर भी जोर दिया गया है। इन प्रावधानों का उद्देश्य कोचिंग संस्थानों की जवाबदेही बढ़ाना,विद्यार्थियों पर पढ़ाई के दबाव को समझना और शिकायतों के समाधान के लिए व्यवस्था तैयार करना है। कोचिंग परिसर में निर्धारित उपयुक्त स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने होंगे। हालांकि, विद्यार्थियों की निजता से समझौता नहीं किया जा सकेगा। नियमों के अनुसार, शौचालयों, चेंजिंग रूम और परामर्श कक्ष जैसे संवेदनशील स्थानों पर रिकॉर्डिंग नहीं की जाएगी। इसके अलावा संस्थानों को पर्याप्त बैठने की व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल,साफ-सफाई, प्राथमिक उपचार और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के इंतजाम करने होंगे। आगंतुकों का रिकॉर्ड रखने और सुरक्षा प्रोटोकॉल की नियमित समीक्षा करने पर भी जोर दिया गया है। नियमों में ट्यूटर के रूप में नियुक्ति के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता स्नातक निर्धारित की गई है। विद्यार्थियों की सुरक्षा और उपयुक्तता को ध्यान में रखते हुए कुछ व्यक्तियों को ट्यूटर या सहायक कर्मचारी के रूप में नियुक्त नहीं करने का भी प्रावधान है। कोचिंग संस्थानों को पर्याप्त प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मचारियों और मानसिक स्वास्थ्य सहायता के लिए योग्य परामर्शदाता की व्यवस्था भी करनी होगी।